सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 19, नई दिल्ली । सोमवार, 01 अप्रैल 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

जो लोग गिरने से डरते हैं वह कभी भी जीवन में उड़ान नहीं भर सकते।

03 रामलीला मैदान में पूरे विपक्ष ने साथ फूंका चुनावी बिगुल
06 भारत को अमरीका का हस्तक्षेप मंजूर नहीं
08 कांग्रेस के 100 दिनों की सरकार में 200 किसानों ने की आत्महत्या

दिल्ली देहरादून एक्सप्रेसवे से जल्द कर पाएंगे सफर, लगेंगे सिर्फ ढ़ाई घंटे...

संजय बाटला

नई दिल्ली। लंबे इंतजार के बाद अब Delhi-Dehradun Expressway के पहले चरण का काम आखिरी दौर पर चल रहा है। अक्षरधाम मंदिर से बागपत के खेकड़ा तक करीब 31 किलोमीटर लंबे हिस्से को दो पैकेज में बनाया जा रहा है। जिसका 90% तक काम पूरा हो गया है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी NHAI ने इसके तैयार होने का लक्ष्य मई तक रखा है। हालांकि यातायात शुरू होने के लिए जून के मध्य तक का इंतजार करना पड़ सकता है। अधिकारियों का कहना है कि पहले चरण का काम 15 मई तक पूरा हो जाएगा। इसके बाद करीब एक सप्ताह ट्रायल रन चलेगा। मंत्रालय से मंजूरी मिलने के बाद इस पर यातायात शुरू किया जाएगा।

लोगों को बड़ा लाभ-

इसके पहले चरण की बात की जाए तो यातायात के लिए खोले जाने से पूर्वी दिल्ली के लोगों को बड़ा लाभ मिलेगा। इससे सिर्फ ढ़ाई घंटे में पूरा होगा। खासकर अक्षरधाम से चलकर गाजियाबाद के लोनी और बागपत के खेकड़ा तक पहुंचना आसान हो जाएगा। NHAI ने टोल दरों को निर्धारित करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। वहीं पहले चरण का काम पूरा होने पर दिल्ली से मेरठ और ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे सीधे जुड़ जाएंगे। क्योंकि देहरादून एक्सप्रेसवे अक्षरधाम में मेरठ एक्सप्रेसवे से शुरू हो रहा है, जो की खेड़की में ईस्टर्न पेरिफेरल को जोड़ेगा।

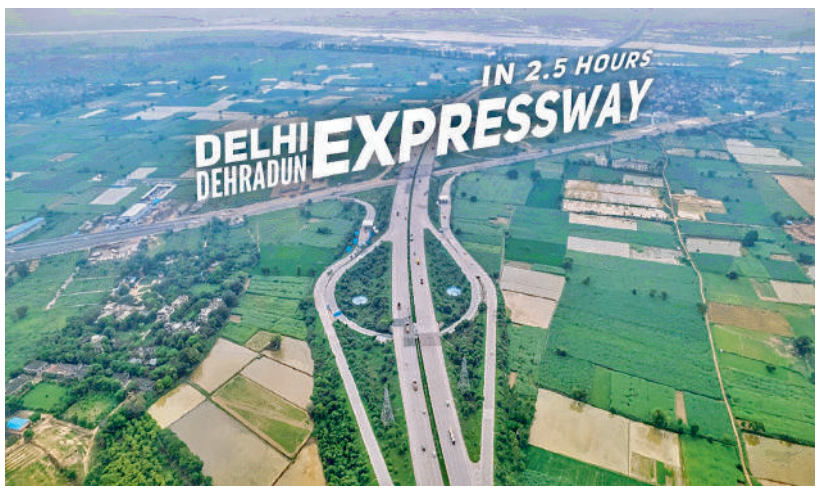

दिल्ली देहरादून एक्सप्रेसवे-

ऐसा माना जा रहा है की शुरुआत में दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर वाहनों की संख्या कोई खास कम नहीं होगी। लेकिन नवंबर तक वाहनों का सीधे आवागमन देहरादून तक शुरू होगा। इससे मेरठ एक्सप्रेसवे पर करीब 30,000 पैसेंजर पर कार यूनिट वाहनों का दबाव कम होगा। आपकी जानकारी के लिए बता दें की राजधानी की सभी मुख्य सड़कों पर ट्रैफिक सीधे लूप और रैंप के जरिए दिल्ली देहरादून एक्सप्रेसवे पर आ जा सकेंगे। इसके लिए दिल्ली की सीमा में पांच जगह पर प्रवेश और निकासी की सुविधा दी गई है। वहीं गाजियाबाद की सीमा में दो जगह पर सुविधा उपलब्ध होगी।

दिल्ली और गाजियाबाद की सीमा- इसके बनने से रोजाना करीब ढाई लाख वाहन बिना किसी जाम में फंसे दिल्ली और गाजियाबाद की सीमा को पार कर पाएंगे। इस एक्सप्रेसवे के तैयार होने से दिल्ली में यमुना पार और लोनी को जाम से राहत मिलेगी। अब अगर दिल्ली-सहारनपुर मार्ग से होते हुए देहरादून जाना है, तो उसके लिए 6 से 7 घंटे लगते हैं। इसलिए देहरादून जाने के लिए मेरठ एक्सप्रेसवे का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन 210 किलोमीटर नए एक्सप्रेसवे के बनने के बाद से समय की बचत होगी। इसके साथ ही दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर जाम भी खत्म हो जाएगा।

भ्रष्टाचार में लिप्त सरकारी अधिकारियों/ कर्मचारियों एवं जन प्रतिनिधियों का होना चाहिए तत्काल निष्कासन ना की निलबन

संजय बाटला

नई दिल्ली। देश के हर स्थान में किसी ना किसी जिले अथवा शहर से शायद ही कोई दिन रहता हो जब कोई सरकारी कर्मचारी या अधिकारी रिश्वत लेता रंगे हाथ ना पकड़ा जा रहा हो! और यह तो वह सरकारी मुलाज़िम हैं जिन्हें एसीबी पकड़ रही है वरना कितनों को तो अन्य विभाग और शाखाओं द्वारा पकड़ा/पकड़वाया जाता है और सोने पे सुहागा इससे भी कई बड़ी संख्या उनकी है जो बदस्तूर और भरपुर रिश्वतें डकार रहे हैं! तो क्या इस वस्तुस्थिति का बोध होने के बाद भी आज कोई भी जनप्रतिनिधि भय और भ्रष्टाचार मुक्त सरकार देने का दम भर सकता है? **मेरा मानना है कि किसी भी राजनैतिक पार्टी से बड़ा हमारा देश, प्रदेश, जिला, विधान सभा और उन सबसे ऊपर है भारत वासी/वोटर हैं** जिन्हें यह सरकारी अधिकारी किसी ना किसी तरह का भय दिखाकर लूटने का काम कर रहे हैं! आज लगभग हर प्रशासनिक विभाग के अधिकारी/कर्मचारी ना केवल भष्टाचार को चर्म पर पहुंचाने में कामयाब हो गए हैं अपितु सरकार को ही गलत बताकर लोगों से धन वसूली का काम कर रहे हैं!

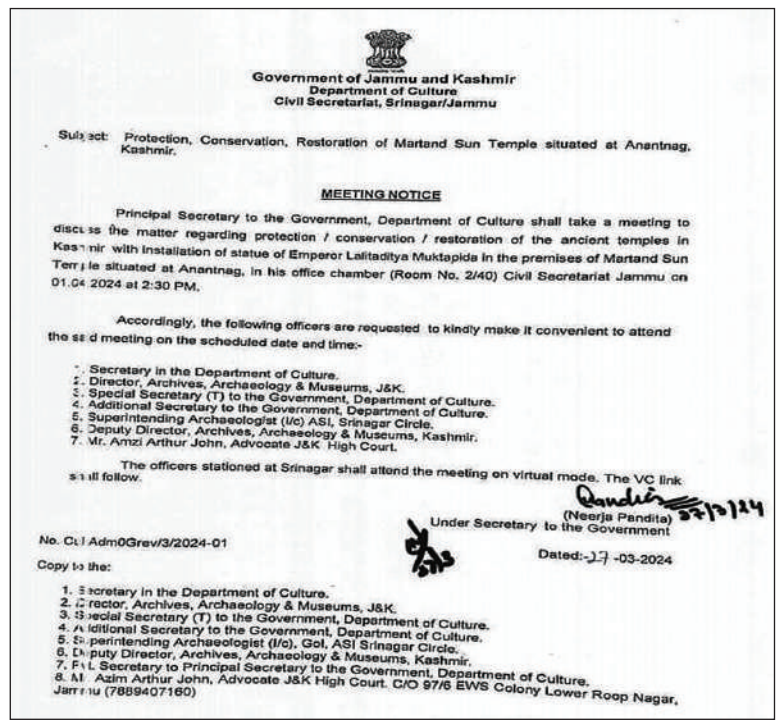

यहां मेरा यह मानना है कि यदि सरकार और सरकार में पदो पर बैठे मंत्री, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री देश से भ्रष्टाचार मिटवाना चाहते हैं तो यह प्रण ले कि भ्रष्टाचार के मामले में रंगे हाथों पकड़े जाने वाले अधिकारी अथवा कर्मचारी को सरकारी नौकरी से निष्कासन होगा ना कि निलंबन और इस तरह से रिक्त हुई उस पदो पर नई नियुक्ति करेंगे। इससे भ्रष्ट लोगो को सरकारी नोकरी से बाहर का और नए योग्य व्यक्ति को सरकारी नौकरियां पर आने का रास्ता भी साफ होगा। **परंतु अफ़सोस हमारे ही द्वारा चुनी सरकार ना ही भ्रष्टाचार पर लगाम लगवा सकी और ना ही नौकरियां प्रदान कर सकी! नाम के लिए लोगों के कष्ट निवारण के लिए समितियों का गठन किया गया, विभिन्न प्लेटफॉर्म भी दिए गए लेकिन सब कुछ भ्रष्ट अधिकारियों और सत्ताधारी नेताओं की मिलीभगत की भेंट चढ़ गया!** अब फिर लोकतंत्र मजबूत करने का मौका जनता को मिला है अपने मत का सही प्रयोग करें और ऐसी सरकार लाए जो जमहित की बात नहीं जनहित के प्रति जवाबदेही हो।

Government of Jammu and Kashmir
Department of Culture
Civil Secretariat, Srinagar/Jammu

Subject: Protection, Conservation, Restoration of Martand Sun Temple situated at Anantnag, Kashmir.

MEETING NOTICE

Principal Secretary to the Government, Department of Culture shall take a meeting to discuss the matter regarding protection / conservation / restoration of the ancient temples in Kashmir with installation of statue of Emperor Lalitaditya Muktapida in the premises of Martand Sun Temple situated at Anantnag, in his office chamber (Room No. 2/40) Civil Secretariat Jammu on 01.04.2024 at 2:30 PM.

Accordingly, the following officers are requested to kindly make it convenient to attend the said meeting on the scheduled date and time:-

1. Secretary in the Department of Culture.
2. Director, Archives, Archaeology & Museums, J&K.
3. Special Secretary (T) to the Government, Department of Culture.
4. Additional Secretary to the Government, Department of Culture.
5. Superintending Archaeologist (I/c) ASI, Srinagar Circle.
6. Deputy Director, Archives, Archaeology & Museums, Kashmir.
7. Mr. Amzi Arthur John, Advocate J&K High Court.

The officers stationed at Srinagar shall attend the meeting on virtual mode. The VC link shall follow.

(Neerja Pandita) 27/3/24
Under Secretary to the Government

No. Cul/Adm0Grev/3/2024-01
Dated:-27-03-2024

Copy to the:

1. Secretary in the Department of Culture.
2. Director, Archives, Archaeology & Museums, J&K.
3. Special Secretary (T) to the Government, Department of Culture.
4. Additional Secretary to the Government, Department of Culture.
5. Superintending Archaeologist (I/c), GoI, ASI Srinagar Circle.
6. Deputy Director, Archives, Archaeology & Museums, Kashmir.
7. P/L Secretary to Principal Secretary to the Government, Department of Culture.
8. Mr. Azim Arthur John, Advocate J&K High Court. C/O 97/6 EWS Colony Lower Roop Nagar, Jammu (7889407160)

भुवनेश्वर मेट्रो रेल परियोजना शुरू...

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड उडीशा, भुबनेश्वर : मेट्रो रेल का काम शुरू। बारंगा रतागढ़ में मेट्रो डिपो का काम शुरू हो गया है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने इसका निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। पहले चरण में भुवनेश्वर एयरपोर्ट से त्रिशुलिआ तक मेट्रो लाइन का निर्माण किया जाएगा। इस पर 6 हजार 255 करोड़ रुपये खर्च होंगे। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने तीन चरणों में 19 मेट्रो स्टेशनों के साथ मेट्रो रेल ट्रैक के निर्माण के लिए निविदाएं आमंत्रित की हैं। भुवनेश्वर हवाई अड्डे से कटक त्रिशुलिआ तक कुल 20 मेट्रो स्टेशन बनाने का प्रस्ताव है। इस पर कुल 2163 करोड़ रुपये खर्च होंगे। भुवनेश्वर हवाई अड्डे से त्रिशुवल तक 26 किमी लंबे मेट्रो रेलवे पर 20 स्टेशन होंगे। शुरुआती चरण में मेट्रो ट्रेन 3 कोच के साथ चलेगी। इसकी यात्री क्षमता 765 होगी। यात्रियों की संख्या बढ़ने पर कोचों की संख्या बढ़ाई जाएगी। मेट्रो ट्रेन 85 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी। अत्याधुनिक कोच, सिग्नलिंग प्रणाली और अत्याधुनिक टिकटिंग प्रणाली प्रदान की जाएगी। हर 10 मिनट पर मेट्रो ट्रेनें चलेंगी। मुख्यमंत्री ने नये साल में मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए शुभकामनाएं दीं। इस प्रोजेक्ट को 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

दिल्लीवालों के लिए अच्छी खबर: RRTS और निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के बीच कनेक्टविटी होगी बेहतर, जल्द शुरू होगा फुटओवर ब्रिज

परिवहन विशेष न्यूज

सराय काले खां आरआरटीएस स्टेशन (RRTS Station) और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन (Hazrat Nizamuddin Railway Station) को जोड़ने वाले फुटओवर ब्रिज (एफओबी) का निर्माण जल्द ही पूरा होने को है। 280 मीटर लंबे एफओबी पर दोनों स्टेशनों के बीच यात्रियों की सुगम सुरक्षित और आरामदायक आवाजाही की सुविधा के लिए छह ट्रैवलेटर भी लगाए जाएंगे। एफओबी के सभी 11 पिलरों का काम पूरा हो चुका है।

नई दिल्ली। सराय काले खां आरआरटीएस स्टेशन (RRTS Station) और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन (Hazrat Nizamuddin Railway Station) को जोड़ने वाले फुटओवर ब्रिज (एफओबी) का निर्माण जल्द ही पूरा होने को है। 280 मीटर लंबे एफओबी पर दोनों स्टेशनों के बीच यात्रियों की सुगम, सुरक्षित और आरामदायक आवाजाही की सुविधा के लिए छह ट्रैवलेटर भी लगाए जाएंगे।

एनसीआरटीसी अधिकारियों के अनुसार, एफओबी के सभी 11 पिलरों का काम पूरा हो चुका है। 10 पाटों में लगने वाले सभी 40 गार्डरों को प्रीकास्ट कंक्रीट तकनीक के जरिए पहले से तैयार करके लाया गया था। इस तकनीक को अपनाने से यह फायदा हुआ कि प्रदूषण कम हुआ। साथ ही निर्माण की गति तेज हुई।

मई तक पूरा हो जाएगा

फिलहाल 24 गार्डरों वाले छह पाट (स्पैन) सफलतापूर्वक लांच कर दिए गए हैं। बाकी 16 गर्डरों वाले चार स्पैन के लिए लॉन्चिंग प्रक्रिया शीघ्र ही शुरू की जाएगी। उस स्थान पर स्लैब की कंक्रीट ढलाई भी शुरू हो गई है। इस एफओबी को मई 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

RRTS और निजामुद्दीन स्टेशन के बीच की दूरी 300 मीटर

सराय काले खां आरआरटीएस स्टेशन और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के बीच की दूरी करीब 300 मीटर है। इसी के कारण, परिवहन के दो अलग-अलग साधनों के बीच निर्बाध यात्रा सुविधा के लिए फुट ओवर ब्रिज पर एक ट्रैवलेटर को शामिल करना आवश्यक समझा गया।

इस अतिरिक्त सुविधा से महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों और दिव्यांगों खासकर भारी सामान ले जाने वालों सहित तमाम यात्रियों को काफी लाभ होने की उम्मीद है। इस पर प्रति घंटे 12,000 यात्री गुजर पाएंगे। जो लोग ट्रैवलेटरों का इस्तेमाल करना पसंद नहीं करते, उनके लिए समानांतर एक तीन मीटर चौड़ा वाकवे भी बनाया जा रहा है।

गौरतलब है कि दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के साहिबाबाद और मोदीनगर उत्तर के बीच 34 किमी का खंड चालू है, जिसमें आठ स्टेशन शामिल हैं। शेष हिस्सों पर निर्माण तेजी से आगे बढ़ रहा है। उम्मीद है कि पूरे 82 किमी का यह कारिडोर जून 2025 की तय समय सीमा से पहले ही चालू हो जाएगा।

इलेक्ट्रिक वाहन मालिकों के लिए अच्छी खबर

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। राजमार्गों पर उपलब्ध होगे इलैक्ट्रिक चार्जिंग सेंटर, भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जनता के लिए बड़ी और अच्छी खबर है। इलेक्ट्रिक वाहनों को जनता द्वारा प्रयोग में लाने का एक अच्छा प्रयास। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा दिया गया एक अच्छा संकेत है क्योंकि इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रयोग बड़ने से वाहनों द्वारा उत्पन्न होने वाले प्रदुषण पर नियंत्रण लगेगा, लेकिन इसके साथ बहुत सारी उचित योजना की भी आवश्यकता है और इसके प्रति हमारा सुझाव है कि सोलर/वर्टिकल एक्सिस रिन्यूएबल एनर्जी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का उपयोग करके डीसी चार्जिंग करना बेहतर होगा। इसके अलावा बायो इथेनॉल या बायोगैस जेनरेटर का उपयोग स्टैंडबाय उपयोग के लिए किया जाए।

अंकुर शरण द्वारा फरीदाबाद के लिए प्रस्तुत लेख भारत देश में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं और तत्काल कार्यवाही के प्रति तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता: फ़रीदाबाद में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को संबोधित करना

तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता: फ़रीदाबाद में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को संबोधित करना

परिवहन विशेष न्यूज

फ़रीदाबाद में सड़क दुर्घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि हो रही है, जिसका मुख्य कारण यातायात नियमों का ढीला कार्यान्वयन है। दोपहिया वाहन चालक, विशेष रूप से दाहिने हाथ के एक्सीलेटर और ब्रेक वाली स्कूटी बाइक चलाने वाले, सवारी करते समय सेल फोन का उपयोग करने जैसे खतरनाक व्यवहार में संलग्न हो रहे हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि कई नाबालिग ड्राइवर भी इस कृत्य में पकड़े जाते हैं, जो स्वयं और दूसरों के लिए महत्वपूर्ण जोखिम पैदा करते हैं। खतरे को बढ़ाते हुए, सवार अक्सर हेलमेट जैसे सुरक्षा उपायों की उपेक्षा करते हैं और शहर की सड़कों पर अत्यधिक गति से चलते हैं, जिससे दुर्घटनाओं में वृद्धि होती है, खासकर दोपहिया वाहनों से। इस चिंताजनक प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए, स्थानीय अधिकारियों द्वारा तत्काल और कठोर प्रवर्तन आवश्यक है। स्थिति की तात्कालिकता को पहचानते हुए, 2023 में, फ़रीदाबाद पुलिस और प्रशासन ने 5 लाख से अधिक छात्रों को शामिल करते हुए एक सड़क सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता शुरू की। इसके अतिरिक्त, रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन जैसे संगठनों ने कई अभियान चलाए हैं और हेलमेट वितरित किए, एनएसएस स्वयंसेवकों को जोड़ा और पारिस्थितिकी तंत्र भागीदारों से समर्थन प्राप्त किया है। लेकिन यह प्रयास काफी नहीं इसके लिए अधिक ठोस प्रयासों की आवश्यकता है। सड़कों की सुरक्षा के लिए निर्णायक कार्रवाई का समय आ गया है। चल रही शैक्षिक पहलों के साथ-साथ सुरक्षा मानदंडों का कड़ाई से कार्यान्वयन सर्वोपरि है। **सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देकर, हम दुर्घटनाओं की दुखद संख्या को कम कर सकते हैं और फ़रीदाबाद में सभी सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए एक सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं।**

सड़क सुरक्षा ठोस प्रयासः- 2 इसके अतिरिक्त हम यह दावा नहीं कर सकते कि जिन लोगों ने उचित प्रक्रियाओं और प्रशिक्षण का पालन करते हुए अपना ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त किया है, वह सभी समझदारी से गाड़ी चलाते हैं और दुर्घटनाओं का कारण नहीं बनते हैं। हम यह भी दावा नहीं कर सकते कि सभी दुर्घटनाएं उन ड्राइवरों के कारण हो रही हैं, जिन्होंने घर बैठे डीएल बनवा लिया है। समस्या को हल करने के लिए सुझावः- ट्रैफिक पुलिस को हर लाल बत्ती जंपर/गलत साइड से ओवरटेक करने वाले/ओवर स्पीडर/नशे में ड्राइवर/ज़िगज़ैग ड्राइवर आदि को दंडित करना चाहिए, भले ही उसने अपना डीएल कैसे भी प्राप्त किया हो।

सड़क सुरक्षा ठोस प्रयासः- 3 हमारा लक्ष्य सड़क सुरक्षा से सीधे जुड़े प्रमुख संगठनों और हितधारकों के साथ सहयोग करते हुए विभिन्न संस्थानों से सड़क सुरक्षा स्वयंसेवकों की स्थापना करना है। नितिन गड़करी का कार्यालय. हमारा उद्देश्य सुरक्षित प्रथाओं के लिए एक व्यापक रोड मैप विकसित करना है। वॉलंटियर्स शाला के माध्यम से, पारिस्थितिकी तंत्र के हितधारकों, सरकारी एजेंसियों और संगठनों के साथ साझेदारी में, हम सड़क सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान

केंद्रित करने वाला सबसे बड़ा नेटवर्क बनाने की आकांक्षा रखते हैं।

1. नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूटी सवारों के अधिक से अधिक स्नैप एकत्र करें और साझा करें, हमें इनबॉक्स करें या सड़क सुरक्षा टीम, समूह को भेजें
2. ट्रिपलिंग
3. वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग
4. बिना हेलमेट के गाड़ी चलाना
5. नाबालिग ड्राइवर

प्रस्तुत कर्ता एवम आपकी सुरक्षा के प्रति सदैव तत्परः या **रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन और परिवहन विशेष हिन्दी दैनिक समाचार पत्र**

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)
TOLWA
website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण
रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

मां - पिता अपने टीनएज बच्चों को एंग्जाइटी के लिए करे कुछ इस तरह से गाइड

एक माता – पिता अपने बच्चे के लिए हमेशा अच्छा ही चाहेंगे लेकिन चीजें असल में देखी जाएँ तो आसान नहीं हैं। एक पैरेंट को हमेशा अपने बच्चें की फिकर सताती है कि वो ठीक है या नहीं। पुराने समय में माँ की चप्पल और पापा की लाल आँखे ही काफ़ी होती थी संस्कार भरने के लिए, लेकिन आज समय बदल चुका है। आज माता- पिता प्यार से समझाएं या गुस्से से, बच्चों को बुरा लगता ही लगता है।

किशोरावस्था वह जीवन का वह नाज़ुक मोड़ होता है जब भटकने के मौक़े सबसे अधिक होते हैं। बच्चे जब छोटे होते हैं तो वो अपने पैरेंट्स से हर बात शेयर करते हैं लेकिन जैसे टीनएज आता है और प्युबरटी हिट करती है तबसे बच्चें अपने शरीर में बदलाव और अन्य कई तरह के चीजों से गुजरते हैं। एक बच्चें में एंग्जाइटी आम बात है लेकिन अगर ये बढ़ जाए तो गंभीर हैं। एक टीनएज बच्चा अक्सर अपने फोन में बिज़ी रहता है और सोशल मीडिया के कारण तो बच्चों के हाथ में 24 घंटे फोन रहता ही है। जिस कारण बच्चें खुद की जिंदगी को दूसरों के साथ हमेशा तुलना करते है जिसके कारण वो इंसेक्योर फील करते हैं और खुद को कम आंकते हैं जिससे एंग्जाइटी जैसी दिक्कतें उन्हें होती रहती हैं। एक पैरेंट होते हुए आप अपने बच्चों को कुछ इस तरह से एंग्जाइटी से डील करना सिखा सकते हैं।

पैरेंट अपने बच्चों को एंग्जाइटी के लिए कुछ इस तरह से कर सकते हैं गाइड

- अपने बच्चों को समझाए और उन्हें इसका एहसास दिलाएं कि आप उन्हें समझ रहें हैं उनकी केयर कर रहे हैं। उनको हर बात पर मनोबल बढ़ाएं और उनको अपने होने का एहसास दिलाएं।
- आप अपने बच्चों को प्यार करें, उनकी चिंता जरूर करें लेकिन उनको कंट्रोल ना करें। अगर आप ज्यादा कंट्रोल करेंगे तो वो आपसे अधिक चीजें छुपाने लगेंगे और खुद में ही घुटते रहेंगे।
- अपने बच्चों को हालात से उभरना सिखाएं। उनकी एंग्जाइटी को अगर आप इग्नोर करेगें तो ये बुरा हो सकता है।
- अपने बच्चें को प्रेरित करते रहें और जब भी वो हारे तब उसे समझाएं कि कैसे मेहनत करके वो अगली बार जीत सकते हैं।
- अपने बच्चें को एंग्जाइटी से डील करने के लिए ध्यान करवाएं ताकि वो उससे निकल पाए और उसका मन भी शांत रहें और वो अपने पढ़ाई में फोकस कर पाएं।
- समय से अपने बच्चें को सुला दें और हाइजीन बनाए रखें। कई बार एंजाइटी के कारण नींद में बाधा आती है और ये उनके स्वास्थ के लिए बहुत ख़राब है।
- इस बात की जानकारी रखें कि उनके परम मित्र कौन हैं। यदि मित्र अच्छे हैं तो आधे से अधिक समस्या ख़त्म। यदि ख़राब हैं तो सब छोड़ बच्चे के आस पास रहें।
- बच्चों के स्कूल टीचर के भी संपर्क में रहे और उनसे निवेदन करें कि वह आपके बच्चे के एक्टिविटी पर खास ध्यान रखें।
- किशोर का आत्म संयम बहुत कम होता है और लुभावने भटकाने वाले सपने बहुत ज़्यादा ऐसे में अभिभावकों की ज़िम्मेदारी बहुत अधिक बढ़ जाती है। किशोरावस्था में तीन तरह की ऊर्जा का होता है निर्माण बाल्यावस्था और युवावस्था के बीच की कड़ी किशोरावस्था है। इस अवस्था में बच्चों के शरीर में हार्मोनल उत्पत्ति बढ़ जाती है, जिससे उनके शरीर में छिपी शक्तियों का विकास बहुत तेजी से होना आरम्भ हो जाता है। उनके शरीर के अंग तेजी से विकसित होने लगते हैं, जिससे कुछ बच्चे शर्मीले हो जाते हैं। उनके मन में नई दुनियाँ के सपने हिलोरें

मारने लगती हैं, ऊर्जा विस्फोट होकर कुछ कर गुजरने की भावना विकसित होने लगती है। यह ऊर्जा सात्विक, राजसिक और तामसिक तीनों प्रवृत्ति में जागृत होती है। यदि ऊर्जा सात्विक दिशा में हो तो बच्चा एक कुशल आविष्कारक, इंजीनियर, डॉक्टर, प्रोफ़ेसर बनता है। राजसिक प्रवृत्ति का हुआ तो मध्यवर्ती अर्थात एक अच्छा वव्यवसायी या राजनीतिज्ञ बनता है। तामसिक प्रवृत्ति की तरफ रुझान हो तो अपराधी, शराबी, तस्कर आदि बनने का शौक होता है।

बच्चे के किशोरावस्था में मातापिता को मित्रवत व्यवहार करने की आवश्यकता है। शारीरिक परिवर्तन के बारे में चर्चा और सावधानी के बारे में बताना चाहिए। इस अवस्था में यौन विकास प्रमुख है, तो इस बारे में लड़की है तो माता अपनी तरफ से अपना उदाहरण रखते हुए यौवन की जानकारी तथा सावधानी के बारे में बतानी चाहिए। इसी प्रकार पिता भी अपने लड़के के साथ मित्रवत तरीके से जानकारी और सावधान रहने के तरीके बताने चाहिए। इससे बच्चों की जिज्ञासा शांत होगी, शर्म और झिझक दूर होगी तथा ऊर्जा का आवेग सात्विक दिशा प्राप्त कर एक सुनहरे भविष्य का निर्माण करेगी।

गर्भावस्था में करेला खाना चाहिए या नहीं, 99% लोगों में होती है कंफ्यूजन, जानें क्या कहते हैं विशेषज्ञ

प्रेग्नेंसी हर महिला के लिए अलग अनुभव होता है. इसमें जितनी खुशी होती है, उतनी ही अधिक सावधानियों की जरूरत होती है. खासतौर पर खानपान को लेकर. क्योंकि आपका हेल्दी खानपान ही बच्चे को सेहतमंद रखता है. इसलिए प्रेग नेंसी के दौरान क्या खाएं और क्या नहीं? ऐसे ही कई शंका और सवाल करेले के सेवन को लेकर हैं. इसको लेकर ज्यादातर लोगों में कंफ्यूजन रहती है. इसे लेकर हर किसी के अपने मत और तरीके होते हैं. लेकिन, विशेषज्ञों की इसपर क्या राय है यह जान लेते हैं.

राजकीय मेडिकल कॉलेज कन्नौज की गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. अमृता साहा ने News18 को बताया कि करेला सेहत के लिए फायदेमंद चीजों में एक है. करेले का स्वाद काफी कड़वा होता है. इसलिए कई लोग इसको खाने से बचते हैं. हालांकि, ये कई पोषक तत्वों और खनिजों से समृद्ध है और सेहते के लिए इसे हेल्दी माना जाता है. हालांकि आमतौर पर सुरक्षित समझी जाने वाली कई सब्जियां प्रेग्नेंसी के दौरान जोखिम पैदा कर सकती हैं. जहां करेला खाने के कुछ फायदे हैं तो वहीं कुछ नुकसान भी.

कम मात्रा में करें सेवन: डॉ. अमृता साहा बताती हैं कि, करेला एक हेल्दी सब्जी है, जो कई बीमारियों में काम आती है. इसका सेवन प्रेग्नेंसी में सुरक्षित हो सकता है, लेकिन जिन महिलाओं को किसी प्रकार भी एलर्जी या सेंसिटिविटी है उन्हें इसका सेवन करने से बचना चाहिए. हालांकि, नॉर्मल प्रेग्नेंसी में भी इसका सेवन कम और डॉक्टर की सलाह से किया जा सकता है.

हाई फोलेट कंटेंट: डॉ. अमृता साहा के मुताबिक, करेले में फोलेट उचित मात्रा में पाया जाता है, जोकि किसी भी प्रेग्नेंट महिला के लिए जरूरी है. दरअसल, ये मिनरल बच्चे को संभावित न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट से सुरक्षित रखने में मदद कर सकता है.

हाई फाइबर कंटेंट: करेले की सब्जी फाइबर की भी अच्छी स्रोत मानी जाती है. ऐसे में इसे खाने से क्रेविंग को काफी हद तक कम किया जा सकता है. इसके अलावा, प्रेग्नेंसी में भी करेला आपको स्लिम रहने में मददगार हो सकता है.

कब्ज में फायदेमंद: कई महिलाओं में प्रेग्नेंसी के दौरान कब्ज और बवासीर की समस्या हो सकती है. इस समस्या से निजात पाने के लिए फाइबर युक्त करेले का सेवन किया जा सकता है. साथ ही करेले में एंटी-डायबिटिक गुण होते हैं, जो प्रेग्नेंसी में बढ़ने वाले ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल कर सकता है.

प्रेग नेंसी में करेले से नुकसान: करेले में रेजिन, कुनैन और ग्लाइकोसाइड कंपोनेंट्स होते हैं. ये ऐसे पदार्थ हैं, जो शरीर में टॉक्सिसिटी को बढ़ा सकते हैं. इससे पेट में दर्द, उल्टी और लाल चकत्ते हो सकते हैं. साथ ही, करेले के ज्यादा सेवन से पेट संबंधी समस्याएं जैसे- डायरिया, पेट में ऐंठन और दस्त भी हो सकते हैं. ऐसे में जरूरी है कि बिना डॉक्टर की सलाह से इसका सेवन न करें।

फेस सीरम लगाते समय न करें ये 5 गलतियां, गलत लगाया तो होगी दिक्कत, क्लियर स्किन भी हो जाएगी खराब

कई लोगों को फेस सीरम यूज करना बहुत अच्छा लगता है, लेकिन अगर इसे सही तरीके से न लगाया जाए तो यह त्वचा को फायदे की जगह नुकसान पहुंचा सकता है. फेस सीरम लगाने का एक उचित तरीका होता है. अगर आप इसके बारे में नहीं जानते हैं तो इसे इस्तेमाल करने से पहले सीरम के कुछ नुकसान जान लें...

फेस सीरम कैसे लगाएं: साफ, मुलायम, स्वस्थ, चमकदार और जवां त्वचा हर कोई चाहता है. इसके लिए महिलाएं कई तरह के उपाय आजमाती हैं. कई स्किन केयर प्रोडक्ट का उपयोग किया जाता है. चेहरे को स्वस्थ रखने के लिए सीरम भी बहुत फायदेमंद होता है. कई लोगों को फेस सीरम यूज करना बहुत अच्छा लगता है, लेकिन अगर इसे सही तरीके से न लगाया जाए तो यह त्वचा को फायदे की जगह नुकसान पहुंचा सकता है. फेस सीरम लगाने का एक उचित तरीका होता है. अगर आप इसके बारे में नहीं जानते हैं तो इसे इस्तेमाल करने से पहले सीरम के कुछ नुकसान जान लें'

चेहरे पर गलत तरीके से सीरम लगाने से हो सकता है ये नुकसान

अगर आप सीरम का इस्तेमाल कर रहे हैं और आपको त्वचा पर कोई सकारात्मक प्रभाव नहीं दिख रहा है, तो निश्चित रूप से आप इसका इस्तेमाल करते समय कुछ गलत कर रहे हैं. बिना चेहरा धोए सीरम लगाने से कोई फायदा नहीं होगा. त्वचा के छेद में छिपी गंदगी सीरम को त्वचा की अंदरूनी परतों में घुसने से रोकती है. ऐसे में अगर आप फायदा पाना चाहते हैं तो सीरम लगाने से पहले अपना चेहरा धो लें.

सीरम को अपनी हथेली में लें और त्वचा पर लगाएं. कुछ लोग सीरम को ड्रॉपर से त्वचा पर लगाते हैं, जिससे चेहरे की गंदगी ड्रॉपर पर और बोतल में चली जाती है. फिर उस सीरम को लगाने से त्वचा पर प्रॉब्लम आ सकती है.

अगर आप सोचते हैं कि एक साथ ज्यादा सीरम का इस्तेमाल करने से त्वचा को ज्यादा फायदा मिलेगा तो यह बिल्कुल गलत है. बहुत अधिक सीरम लगाने से त्वचा तैलीय हो सकती है. ऑयली स्किन पर कील-मुंहासे जल्दी हो जाते हैं. सीरम की 3-4 बूंदों से अधिक न लगाएं. इसे अपने हाथों पर लें और इसे अपने चेहरे पर लगाएं और अपनी उंगलियों से गोलाकार डायरेक्शन में मालिश करते हुए इसे त्वचा पर रब करें.

सीरम को कभी भी चेहरे पर जोर-जोर से न रगड़ें. इसे धीरे-धीरे पूरे चेहरे पर फैलाएं. कुछ ही दिनों में आपको उचित परिणाम दिखने लगेगा.

कई बार जानकारी के अभाव में कुछ महिलाएं गलत स्किन केयर प्रोडक्ट्स का चुनाव कर लेती हैं. अगर आप सीरम लेते समय यही गलती करते हैं तो इससे कोई फायदा नहीं होगा. अपनी त्वचा के प्रकार के अनुसार ही आप स्किन केयर प्रोडक्ट का चुनाव करें. आपको ऑयली और ड्राई सभी प्रकार की त्वचा के लिए सीरम मिलेंगे. ड्राई स्किन के तेल आधारित सीरम चुनें. अधिक और सही जानकारी के लिए स्किन एक्सपर्ट की मदद लें और उसके बाद ही ब्यूटी प्रोडक्ट्स चुनें।

सुंदरकांड पाठ के लाभ

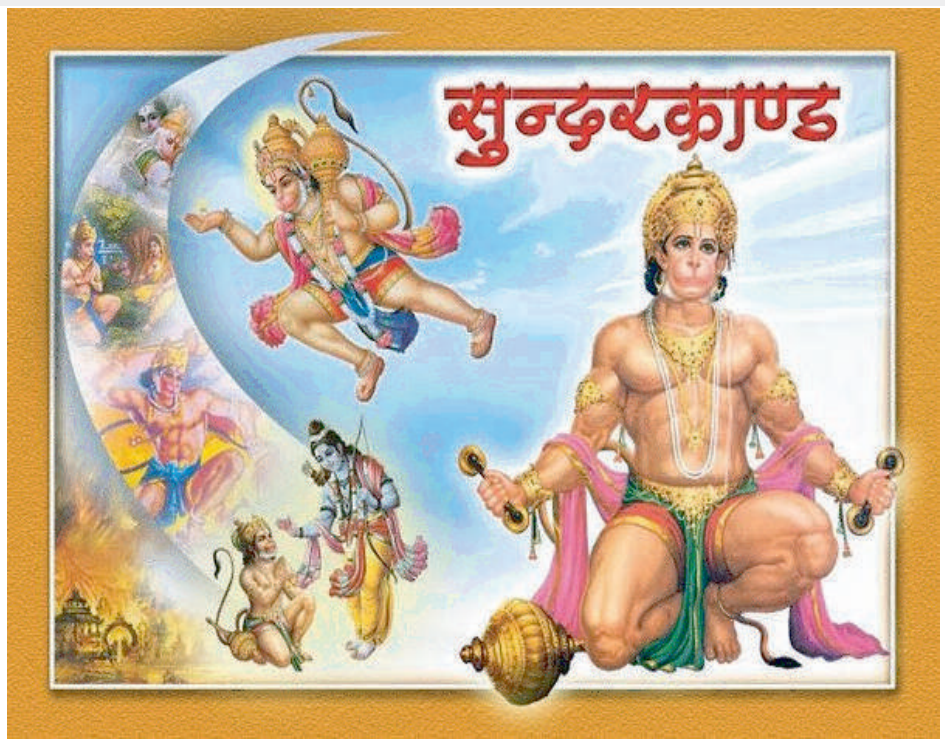

(1) सुन्दरकाण्ड का पाठ :ऐसी मान्यता है कि हनुमान जी से जुड़ा कोई भी मंत्र या पाठ अन्य किसी भी मंत्र से अधिक शक्तिशाली होता है। हनुमान जी अपने भक्तों को उनकी उपासना के फल में बल और शक्ति प्रदान करते हैं।

(2) सुन्दरकाण्ड के फायदे : लेकिन आज हम विशेष रूप से सुंदरकांड पाठ के महत्व और उससे मिलने वाले लाभ पर बात करेंगे। भक्तों द्वारा हनुमान जी को प्रसन्न करने के लिए अमूमन हनुमान चालीसा का पाठ किया जाता है। हनुमान चालीसा बड़े-बूढ़ों से लेकर बच्चों तक को जल्दी याद हो जाता है।

(3) हनुमान चालीसा : लेकिन हनुमान चालीसा के अलावा यदि आप सुंदरकांड पाठ के लाभ जान लेंगे तो इसे रोजाना करना पसंद करेंगे। हिन्दू धर्म की प्रसिद्ध मान्यता के अनुसार सुंदरकांड का पाठ करने वाले भक्त की मनोकामना जल्द पूर्ण हो जाती है।

(4) सुंदरकांड अध्याय : सुंदरकांड, गोस्वामी तुलसीदास द्वारा लिखी गई रामचरितमानस के सात अध्यायों में से पांचवा अध्याय है। रामचरित मानस के सभी अध्याय भगवान की भक्ति के लिए हैं, लेकिन सुंदरकांड का महत्व अधिक बताया गया है।

(5) सुंदरकांड पाठ का महत्व : जहां एक ओर पूर्ण रामचरितमानस में भगवान के गुणों को दर्शाया गया है, उनकी महिमा बताई गई है लेकिन दूसरी ओर रामचरितमानस के सुंदरकांड की कथा सबसे अलग है। इसमें भगवान राम के गुणों की नहीं बल्कि उनके भक्त के गुणों और उसकी विजय की बात बताई गई है।

(6) हनुमान पाठ के लाभ : सुंदरकांड का पाठ करने वाले भक्त को हनुमान जी बल प्रदान करते हैं। उसके आसपास भी नकारात्मक शक्ति भटक नहीं सकती, इस तरह की शक्ति प्राप्त करता है वह भक्त। यह भी माना जाता है कि जब भक्त का आत्मविश्वास कम हो जाए या जीवन में कोई काम ना बन रहा हो, तो सुंदरकांड का पाठ करने से सभी काम अपने आप ही बनने लगते हैं।

(7) शास्त्रीय मान्यताएं : किंतु केवल शास्त्रीय मान्यताओं ने ही नहीं, विज्ञान ने भी सुंदरकांड के पाठ के महत्व को समझाया है। विभिन्न मनोवैज्ञानिकों की राय में सुंदरकांड का पाठ भक्त के आत्मविश्वास और इच्छाशक्ति को बढ़ाता है।

(8) सुंदरकांड पाठ का अर्थ : इस पाठ की एक-एक पंक्ति और उससे जुड़ा अर्थ, भक्त को जीवन में कभी ना हार मानने की सीख प्रदान करता है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार किसी बड़ी परीक्षा में सफल होना हो तो परीक्षा से पहले सुंदरकांड का पाठ अवश्य करना चाहिए।

(9) सुंदरकांड पाठ का महत्व : यदि संभव हो तो विद्यार्थियों को सुंदरकांड का पाठ करना चाहिए। यह पाठ उनके भीतर आत्मविश्वास को जगाएगा और उन्हें सफलता के और करीब ले जाएगा।

(10) सफलता के सूत्र : आपको शायद मालूम ना हो, लेकिन यदि आप सुंदरकांड के पाठ की पंक्तियों के अर्थ जानेंगे तो आपको यह मालूम होगा कि इसमें जीवन की सफलता के सूत्र भी बताए गए हैं।

(11) सफल जीवन के मंत्र : यह सूत्र यदि व्यक्ति अपने जीवन पर अमल कर ले तो उसे सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। इसलिए यह राय दी जाती है कि यदि रामचरित्मानस का पूर्ण पाठ कोई ना कर पाए, तो कम से कम सुंदरकांड का पाठ अवश्य कर लेना चाहिए।

(12) इस समय करें सुंदरकांड का पाठ : यहां तक कि यह भी कहा जाता है कि जब घर पर रामायण पाठ रखा जाए तो उस पूर्ण पाठ में से सुंदरकांड का पाठ घर के किसी सदस्य को ही करना चाहिए। इससे घर में सकारात्मक शक्तियों का प्रवाह होता है।

(13) ज्योतिष के लाभ : ज्योतिष के नजरिये से यदि देखा जाए तो यह पाठ घर के सभी सदस्यों के ऊपर मंडरा रहे अशुभ ग्रहों छुटकारा दिलाता है। यदि स्वयं यह पाठ ना कर सकें, तो कम से कम घर के सभी सदस्यों को यह पाठ सुनना जरूर चाहिए। अशुभ ग्रहों का दोष दूर करने में लाभकारी है सुंदरकांड का पाठ।

(14) आत्मा की शुद्धि : सुंदरकांड पाठ करने से आत्मिक लाभ मिलता है। आत्मा शुद्ध होती है। सुंदरकांड का पाठ करने से आत्मा परमात्मा से मिलने के लिए तैयार होती है। मनुष्य इस जीवन रूपी दुनिया में जो करना आया है वही करता है। और सुंदर कांड पाठ करने से आत्मा की शुद्धि होती है।

(15) रोगों को दूर भगाए : सुंदरकांड का पाठ एक तीर से कई निशाने लगाने का नाम है। पाठ करने से रोग दूर रहते हैं। इससे आपकी दरिद्रता खत्म होती है।

(16) मानसिक सुख : अगर कोई व्यक्ति लगातार सुंदरकांड का पाठ करता है तो उसे अनेक लाभ मिलते हैं। सुंदरकांड पाठ निरंतर करने से मानसिक सुख शांति प्राप्त होती है।

(17) अनहोनी दूर करे : अगर आप किसी ऐसी जगह पर रहते हैं जो सूनसान है। और आपको हमेशा किसी अनहोनी का डर रहता है। तो आप सुंदरकांड का पाठ करें। इससे आपके पास आने वाली हर समस्या दूर रहती है।

(18) बच्चे आदर ना करें तो सुंदरकांड का पाठ : अगर आपके बच्चे आपकी सुनते नहीं और बड़ों का आदर नहीं करते हैं तो आप अपने बच्चों को सुंदरकांड का पाठ करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। अगर वे अपने संस्कारों को भूल गए हैं तो आप बच्चों को सुंदरकांड का पाठ बच्चों से करवा सकते हैं।

(19) कर्ज से छुटकारा : अगर आप पर बहुत सारा कर्ज हो गया है तो आपको सुंदरकांड का पाठ करना चाहिए। सुंदरकांड का पाठ कर्ज से मुक्ति दिलाता है।

(20) मन के भय से मुक्ति : अगर आपको रात को डर लगता है और बुरे सपने आते हैं तो आपको सुंदरकांड पाठ करना चाहिए। जिस तरह से हनुमान चालिसा का पाठ करने से मन के भय से मुक्ति मिलत है। ठीक उसी तरह से सुंदरकांड का पाठ करने से मन के भय से मुक्ति मिलमुक्ति? :

(21) हनुमान जी की कृपा : सुंदरकांड का पाठ करने से हनुमान की कृपा बनी रहती है। सिर्फ हनुमान ही नहीं भगवान राम की भी कृपा बनी रहती है। यदि आप दोनों भगवान की कृपा पाना चाहते हैं तो सुंदरकांड का पाठ करें।

(22) गृह क्लेश से छुटकारा : सुंदरकांड का पाठ करने से गृह क्लेश से छुटकारा मिलता है। इसका पाठ करने से सकारात्मक शक्ति घर में आती है। जिससे घर में पैदा होने वाली नकारात्मक शक्तियों को से छुटकारा मिलता है।

(23) विद्यार्थियों के लिए लाभदायक : यदि विद्यार्थी सुंदरकांड का पाठ करते हैं तो उन्हें उनके छात्र जीवन में सफलता मिलती है। उनका पढ़ाई में मन लगता है। और परीक्षा में अंक ठीक आते हैं। इसलिए विद्यार्थियों को सुंदरकांड का पाठ अवश्य करना चाहिए।

(24) घर में सकारात्मक शक्तियों का वास : ऐसा माना जाता है कि सुंदरकांड का पाठ करने से घर में माहौल सकारात्मक और प्रेम पूर्वक रहता है। यदि सुंदरकांड का पाठ घर के ही किसी सदस्य द्वारा किया जाता है तो और भी अधिक फायदेमंद होता है।

(25) अशुभ ग्रहों को दूर करे : सुंदरकांड का पाठ करने से अशुभ ग्रहों की स्थिति को शुभ बनाया जा सकता है। इसलिए नियमित सुंदरकांड का पाठ करना चाहिए।

(26) कभी हार ना मानना : जीवन में ऐसे कई पड़ाव आता हैं जब हम अपना बल हार जाते हैं। मन दुखी हो जाता है। ततऐसे में आपको हार नहीं मानना चाहिए। क्योंकि सुंदरकांड का पाठ आपको जीवन में कभी हार ना मानने की शक्ति देता है।

महारैली: रामलीला मैदान में पूरे विपक्ष ने साथ फूंका चुनावी बिगुल, रैली के माध्यम से किया शक्ति प्रदर्शन

पहले भी गठबंधन की रैलियां व सम्मेलन महाराष्ट्र और बिहार में हुईं थीं, लेकिन इतना बड़ा जमावड़ा देखने को नहीं मिला था। रैली में केजरीवाल की पत्नी को भी काफी अहमियत मिली।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। रामलीला मैदान में गठबंधन की महारैली से आम आदमी पार्टी का कद बढ़ता नजर आया। गठबंधन की राजनीति में आप की अहमियत का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पहली बार जांच एजेंसियों पर दुरुपयोग का आरोप लगाकर पूरा गठबंधन एकजुट नजर आया। इससे पहले झारखंड के मुख्यमंत्री जब इस्तीफा देकर जेल गए थे तो विपक्ष इतना मुखर नहीं हुआ था।

पहले भी गठबंधन की रैलियां व सम्मेलन महाराष्ट्र और बिहार में हुईं थीं, लेकिन इतना बड़ा जमावड़ा देखने को नहीं मिला था। रैली में केजरीवाल की पत्नी को भी काफी अहमियत मिली। मंच से गठबंधन के कद्दावर नेताओं ने आप की सराहना भी की।

केंद्र सरकार पर निशाना साधने के साथ ही जांच एजेंसियों के मुद्दे पर सभी एकजुट दिखे। हालांकि, राजनीतिक जानकारों का कहना है कि विपक्ष ने रैली को शक्ति प्रदर्शन का भी मंच बनाया। चुनावी बिगुल भी पूरे विपक्ष ने दिल्ली के रामलीला मैदान के मंच से फूंका और केंद्र सरकार को कठघरे में खड़ा किया। आप से अभी तक किनारा कर रहीं पार्टियों का एक मंच सांझा करना यह संदेश दे गया कि आप गठबंधन की राजनीति के लिए अहम रोल निभा सकती है।

केजरीवाल की बेटी व बेटा भी महारैली में पहुंचे

महारैली में मुख्यमंत्री केजरीवाल के दोनों बच्चे भी पहुंचे। उन्होंने मंच के सामने नीचे खड़े होकर मां सुनीता सहित सभी नेताओं का संबोधन सुना। सुनीता करीब 12 बजे मंच पर पहुंचीं। बेटी हर्षिता व बेटा पुलकित कुछ देर बाद मैदान में आए। दोनों मंच के सामने सुरक्षा घेरे में खड़े थे।

सचदेवा बोले- आप के 61 विधायक रैली के लिए 6100 लोग भी नहीं जुटा सके

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने रामलीला मैदान की रैली को फ्लॉप शो करार दिया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के 61 विधायक 6,100 लोगों की भीड़ जुटाने में भी विफल साबित हुए। मंच से दिल्ली के मुख्यमंत्री के तस्वीर को हटवाने से यह भी साफ हो गया कि गठबंधन सिर्फ नाम का है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के सुर-ताल मेल नहीं खाते हैं।

उन्होंने कहा कि गठबंधन की रैली को दिल्ली वालों ने खारिज कर दिया है। कांग्रेस व आम आदमी पार्टी ने रैली का आह्वान किया था। इसमें अधिकांश पंजाब व हरियाणा से जुटाए गई भीड़ ही थी। आप कार्यकर्ताओं में भी जोश नहीं भर सकी। कांग्रेस ने मंच के माइक के पास लगाई गई केजरीवाल की तस्वीर तक लगाने की अनुमति नहीं दी। तस्वीर को जबरन हटवा दिया गया। सभी जानते है कि कांग्रेस का दिल्ली में कोई जमीनी आधार नहीं है। रैली की विफलता ने दिल्ली में आप के अंत की शुरुआत कर दी है।

रामलीला मैदान में दिखी मिनी इंडिया की झलक, खचाखच भरा ग्राउंड; झंडे लेकर घूमते दिखे लोग

इंडिया गठबंधन की महारैली में रविवार को रामलीला मैदान में मिनी इंडिया की झलक देखने को मिली। जम्मू-कश्मीर, गुजरात, मणिपुर व कन्याकुमारी के साथ विभिन्न राज्यों से लोग पहुंचे थे। रैली में शामिल होने के लिए लोग भोर से ही आयोजन स्थल में पहुंच रहे थे।

नई दिल्ली। इंडिया गठबंधन की महारैली में रविवार को रामलीला मैदान में मिनी इंडिया की झलक देखने को मिली। जम्मू-कश्मीर, गुजरात, मणिपुर व कन्याकुमारी के साथ विभिन्न राज्यों से लोग पहुंचे थे। रैली में शामिल होने के लिए लोग भोर से ही आयोजन स्थल में पहुंच रहे थे। कोई ट्रेन, बस, तो कोई अपने वाहनों से रैली में पहुंचने लगे थे। यहां आ रहे लोगों व कार्यकर्ताओं में एक अलग तरह का जोश दिखा। हर कोई उत्साह के साथ रामलीला मैदान में पहुंच रहा था।

आलम यह था कि दोपहर बाहर बजे तक रामलीला मैदान लोगों से खचाखच भर गया, जो कुर्सियां लगाई थीं, वह कहीं नजर नहीं आ रही थी। जैसे-जैसे दोपहर में सूरज की तपिश बढ़ रही थी, वैसे ही लोगों में भी जोश बढ़ता जा रहा था। ऐसे में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिसकर्मियों ने कुछ देर के लिए मैदान में प्रवेश बंद कर दिया। इससे नेताओं में रोष देखने को मिला। हालांकि, मंच से नेताओं की अपील के बाद लोगों को प्रवेश फिर से खोला गया।

कुछ पार्टी कार्यकर्ता इसमें शामिल होने के लिए शनिवार शाम से ही पहुंचते दिखे। यह सिलसिला रैली के संपन्न होते तक जारी रहा। मैदान में जहां तक नजरें जा रही थी, वहां तक केवल लोगों का हुजूम ही दिख रहा था। हर कोई अपने नेताओं को सुनने को बेताब नजर आया। कई पार्टी कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी के झंडे व चिन्ह से अपने शरीर को रंगा हुआ था। वहीं, कई कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के मुखौटे पहने हुए थे। उधर, आप के कार्यकर्ता 10 फुट से अधिक ऊंचे पार्टी के झंडे लेकर घूमते दिखे। साथ ही, दिल्ली गेट पर एक व्यक्ति अपने सफेद कपड़ों पर नकली खंजर घोंप कर चल रहा था।

उन्होंने लाल रंग से लोकतंत्र लिखा हुआ था। जिसे हर कोई हैरत की नजरों से देख रहा था। ऐसे ही रंजीत सिंह फ्लाईओवर पर गोला डेयरी से आई 65 वर्षीय फातिमा अरविंद केजरीवाल के समर्थन में आए लोगों के बारे में जानने के लिए जा रही थी। गर्मी के चलते वह थक गईं और सड़क की एक छोर पर बैठ गईं। उन्हें देख वहां से गुजर रहे हथठेला वालों ने अपने ठेले में बैठा लिया। वह कहती हैं कि केजरीवाल को किस मामले में हिरासत में लिया है वह जानने के लिए निकली हैं।

राहुल के आते ही आया लोगों में जोश

मंच में एक-एक कर गठबंधन के नेताओं के पहुंचने के बाद माहौल में अलग तरह की शांति छाई, लेकिन कुछ देर बाद ही नेताओं के संबोधन शुरू होते ही हर तरफ से लोकतंत्र बचाओ के नारे की गूंज सुनाई दे रही थी। गोपाल राय लोगों को संबोधित कर ही रहे थे कि मंच पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी का आगमन होता है। इस बीच इतनी तेजी से राहुल गांधी का नाम लोगों की भीड़ की तरफ से गूंजा कि राय को अपने संबोधन को रोकना पड़ा। हर कोई राहुल-राहुल चिल्ला रहा था। युवा, महिलाएं व बुजुर्ग में राहुल को देखने के लिए होड़ नजर आ रही थी। हर कोई उनकी एक झलक पाना चाहता था। कांग्रेस के साथ दूसरी अन्य पार्टियों के नेताओं के साथ कार्यकर्ता भी राहुल का समर्थन करते दिखे। खासकर युवाओं में उन्हें लेकर अलग जोश था।

नेताओं को देखने व्हील चेयर पर पहुंचे प्रशंसक

रैली में अपने नेताओं को देखने के लिए दिव्यांग लोगों की भी अच्छी खासी संख्या देखने को मिली। कोई व्हील चेयर तो कोई मोटर व्हीकल पर आया हुआ था। रोहतक से व्हील चेयर पर आए हेमंत सोनी ने बताया कि वह रैली के लिए तीन दिन पहले घर से निकल गए थे। उन्होंने कहा कि वह तेजस्वी यादव को सुनने आए हैं। काफी कशमकश के बाद प्रवेश मिला है। काश वह उन्हें यहां दिख जाएं इसकी वह कामना कर रहे हैं।

मैदान के बाहर भी लोग दिखे उत्साहित

आयोजन स्थल में तो भीड़ थी ही, लेकिन रामलीला मैदान के बाहर भी बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुटी नजर आई। जो लोग मैदान में नहीं पहुंच पाए वह बाहर से ही नेताओं का संबोधन सुन रहे थे। आलम यह था कि पुलिस को आनन-फानन में एक सड़क को बंद करना पड़ा।

नाले की खुदाई के दौरान आईजीएल की पाइपलाइन में लगी आग, मजदूर की मौत; काफी देर तक गड्ढे में पड़ा रहा

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली में नाले की खुदाई के दौरान आईजीएल की पाइपलाइन में धमाके के साथ आग लग गई। आग की चपेट में दो मजदूर आ गए। इसमें से एक मजदूर की मौत हो गई। उसका शव काफी देर तक गड्ढे में ही पड़ा रहा। किसी तरह आग पर काबू पाकर शव निकाला गया।

नई दिल्ली। बुराड़ी स्थित प्रदीप विहार-इब्राहिमपुर में नाले की खुदाई के दौरान आईजीएल की पाइपलाइन में धमाके के साथ आग लग गई। आग की चपेट में दो मजदूर आ गए। पुलिस ने लोगों की मदद से राजकुमार (42) को निकालकर नजदीकी अस्पताल भेजा, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। वहीं, हादसे में झड़ोदा निवासी प्रवीन कुमार (35) की मौके पर ही मौत हो गई। उसका शव काफी देर तक गड्ढे में ही पड़ा रहा। किसी तरह आग पर काबू पाकर शव निकाला गया। बुराड़ी थाना पुलिस ने लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त मनोज कुमार मीना ने बताया कि हादसा शनिवार रात करीब 10:53 बजे हुआ। यहां आईजीएल का ठेकेदार पाइपलाइन का काम करवा रहा था। यहां पीडब्ल्यूडी प्रदीप विहार की सोसायटी के मेन गेट पर नाला व पुलिया बनाने का काम कर रहा है। यहां से आईजीएल की पाइपलाइन गुजर रही है। पीडब्ल्यूडी ने आईजीएल से पाइपलाइन को थोड़ा नीचे करवाने का अनुरोध किया था।

इसके लिए ठेकेदार पांच मजदूरों से गड्ढा खुदवा रहा था। अचानक पाइपलाइन फट गई और धमाके के बाद आग लग गई। इससे राजकुमार और प्रवीन उसकी चपेट में आ गए। वहीं, दमकल व पुलिस का आरोप है कि आईजीएल के कंट्रोल रूम में बार-बार सूचना देने के बावजूद काफी देर तक गैस की सप्लाई बंद नहीं की गई। करीब डेढ़ घंटे बाद गैस की सप्लाई को बंद कर मरम्मत का काम हुआ। हादसे में प्रवीन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि राजकुमार बुरी तरह झुलस गया।

ईडब्ल्यूएस श्रेणी के दाखिलों का बढ़ा इंतजार, जानें कब तक जारी हो सकते हैं दिशा-निर्देश

परिवहन विशेष न्यूज

शिक्षा निदेशालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ईडब्ल्यूएस श्रेणी के दाखिला संबंधी दिशा-निर्देश व अधिसूचना इस सप्ताह तक जारी की जा सकती हैं।

नई दिल्ली। राजधानी के निजी स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2024-2025 में नर्सरी में सामान्य श्रेणी की दाखिला प्रक्रिया संपन्न हो गई है। लंबे इंतजार के बाद भी आर्थिक पिछड़ा वर्ग (ईडब्ल्यूएस), वंचित वर्ग (डीजी), विशेष आवश्यकता वाले बच्चे (सीडब्ल्यूएसएन) श्रेणी की सीटों पर दाखिला प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है।

तीन अप्रैल से नया सत्र शुरू हो जाएगा। इसके बावजूद अभी तक शिक्षा निदेशालय ने इस संबंध में कार्यक्रम जारी नहीं किया है। इसको लेकर अभिभावकों में नाराजगी है। इससे कई अभिभावक स्कूलों में जाकर ईडब्ल्यूएस श्रेणी दाखिले के लिए चक्कर काट कर रहे हैं। जबकि आठ मार्च को दाखिला प्रक्रिया पूरी तरह से समाप्त हो चुकी। शिक्षा निदेशालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ईडब्ल्यूएस श्रेणी के दाखिला संबंधी दिशा-निर्देश व अधिसूचना इस सप्ताह तक जारी की जा सकती हैं। उन्होंने बताया कि अधिकतर स्कूलों ने सीटों के मामले के बारे में आंकड़ों की जानकारी दे दी है। इसे सूचीबद्ध किया जा रहा है। वहीं, मयूर विहार में रहने वाली मनीषा बैंसला ने बताया कि उनके दोनों बेटों का दाखिला बीते वर्ष भी नहीं हो पाया था, वह चिंतित हैं कि कहीं इस बार भी दाखिले से वंचित न रह जाएं। उन्होंने कहा कि अभी तक ईडब्ल्यूएस श्रेणी के दाखिला शुरू नहीं हुए हैं। इसी तरह करोल बाग में रहने वाले अंकित यादव ने बताया कि उनकी बेटी का दाखिला कराना है। वह सप्ताह भर में कई दिन अगल-अलग स्कूलों के चक्कर लगा रहे हैं। लेकिन, स्कूल वाले उन्हें स्पष्ट जानकारी नहीं दे रहे हैं। वह कहते हैं कि कुछ स्कूलों में नया सत्र शुरू हो गया है और ईडब्ल्यूएस श्रेणी का अब तक नहीं हुआ है। बता दें कि निजी स्कूलों में 25 फीसदी सीट ईडब्ल्यूएस, डीजी और विशेष बच्चों की श्रेणी के लिए आरक्षित करने का प्रावधान है।

70 से ज्यादा महिलाओं से ठगी: एक ने 50 तो दूसरे ने 20 को बनाया शिकार, रुपये ऐंठने के लिए बनाते थे एक ही बहाना

परिवहन विशेष न्यूज

पकड़े गए आरोपियों की पहचान सागरपुर, दिल्ली निवासी रंजीत रंजन ठाकुर (40) और सीतापुरा, द्वारका दिल्ली निवासी प्रशांत के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी रंजीत के पास से एक और प्रशांत के पास से दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

नई दिल्ली। खुद को डॉक्टर, इंजीनियर और ऊंचे-ऊंचे पदों पर तैनात अधिकारी बताकर मैट्रिमोनियल वेबसाइट के जरिए शादी का झांसा देकर महिलाओं से ठगी करने वाले दो युवकों को शाहदरा जिला के साइबर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनकी गिरफ्तारी अलग-अलग मामलों में हुई है। दोनों आरोपियों ने 70 से ज्यादा महिलाओं के साथ ठगी की है।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान सागरपुर, दिल्ली निवासी रंजीत रंजन ठाकुर (40) और सीतापुरा, द्वारका दिल्ली निवासी प्रशांत के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी रंजीत के पास से एक और प्रशांत के पास से दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। आरोपी रंजीत ग्रेजुएट है और दो बच्चों का पिता भी है, इसके बावजूद वह वारदात को अंजाम दे रहा था।

केस नंबर-1

शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि साइबर थाना पुलिस को 29 मार्च 2024 को एक शिकायत मिली थी। उसमें पीड़िता ने बताया कि शादी के लिए उसने खुद को sathi.com पर रजिस्टर कराया हुआ है। इस बीच किसी डॉक्टर अमन शर्मा ने उसे संपर्क किया और शादी की इच्छा जाहिर की। पीड़िता का विश्वास जीतकर आरोपी ने इमरजेंसी की बात कर उससे 1.13 लाख रुपये ठग लिए। ठगी का अहसास होने पर मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। एसआई रिंकी व अन्यों की टीम ने सीडीआर के अलावा टेक्निकल सर्विलांस की मदद से आरोपी की पहचान का प्रयास किया गया। बाद में आरोपी रंजीत रंजन को सागरपुर से दबोच लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने ठगी की बात स्वीकार कर ली।

आरोपी ने बताया कि वह अब तक मैट्रिमोनियल वेबसाइट के जरिए शादी का झांसा देकर 50 से ज्यादा महिलाओं व युवतियों को ठग चुका है। वह खुद को डॉक्टर बताकर अपने जान में फंसाता था। बाद में इमरजेंसी होने की बात कर पीड़िता से रुपये लेकर आरोपी गायब हो जाता था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

केस नंबर-2

शाहदरा की एक और युवती ने खुद को jeewansathi.com पर रजिस्टर कराया हुआ था। पिछले दिनों राजबीर शर्मा नामक एक युवक ने खुद को बड़ा अधिकारी बताकर उससे संपर्क किया। आरोपी ने पीड़िता से शादी की इच्छा जाहिर की। बातचीत के बाद दोनों शादी के लिए तैयार हो गए। एक दिन आरोपी ने इमरजेंसी की बात कर पीड़िता से 2.17 लाख रुपये ले लिए। इसके बाद पीड़िता को पता चला कि आरोपी फर्जी है। 28 मार्च 2024 को पीड़िता ने मामले की शिकायत पुलिस से की। इंस्पेक्टर अश्विनी कुमार और अन्यों की टीम ने मामले की पड़ताल की। बैंक डिटेल और टेक्निकल सर्विलांस की मदद से आरोपी की पहचान कर प्रशांत को द्वारका के सीतापुरी से दबोच लिया गया। पुलिस की पूछताछ में प्रशांत ने बताया कि मैट्रिमोनियल वेबसाइट के जरिए आरोपी अब तक 20 से ज्यादा लड़कियों से लाखों रुपये वसूल चुका है। पुलिस बाकी शिकायतकर्ताओं की पहचान कर उनसे शिकायत लेने की तैयारी कर रही है। आरोपी से पूछताछ कर पता लगाया जा रहा है कि वारदात में और कितने लोग शामिल थे।

सुनीता ने पढ़ा सीएम का संदेश, कहा- नया भारत बनाएंगे; जेल से केजरीवाल ने देश को दी छह गारंटी

रैली में सीएम केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल सीएम केजरीवाल का संदेश पढ़ा। सुनीता ने सीएम का संदेश पढ़ते हुए बताया कि केजरीवाल ने देश को छह गारंटी दी हैं।

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से पहले दिल्ली में 'INDIA' गठबंधन की आज रैली हो रही है। केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल रामलीला मैदान में विपक्षी नेताओं के साथ मंच पर मौजूद हैं। रैली में सीएम केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल सीएम केजरीवाल का संदेश पढ़ा। सुनीता केजरीवाल ने कहा कि आपके केजरीवाल शेर हैं। वे सच्चे देशभक्त इंसान हैं। केजरीवाल देश के लिए लड़ रहे हैं।

केजरीवाल का संदेश पढ़ते हुए सुनीता ने बताया कि केजरीवाल ने पत्र में लिखा, 'आज भारत मां काफी दुख में हैं। जब सही इलाज नहीं मिलता। उनके बच्चों को भोजन नही मिलता, अच्छी शिक्षा नहीं मिलती तो भारत मां को दुख होता है। आइए मिलकर एक नया भारत बनाते हैं। जहां हर इंसान को भरपेट खाना मिलेगा। सभी को काम मिलेगा। कोई बेरोजगार नहीं होगा। कोई गरीब नहीं होगा। कोई अनपढ़ नहीं होगा। सभी को अच्छा इलाज मिलेगा। 140 करोड़ लोगों से आह्वान करता हूं कि यदि इंडिया गठबंधन को मौका मिलता है तो ऐसा भारत बनाएंगे।'

सुनीता ने सीएम का संदेश पढ़ते हुए बताया कि केजरीवाल ने देश को छह गारंटी दी हैं। केजरीवाल ने पत्र में कहा, 'मैं छह गारंटी देता हूं पहला- देशभर में 24 घंटे बिजली देंगे। दूसरा- पूरे देश में गरीबों को मुफ्त बिजली देंगे। तीसरा- हर गांव में मोहल्ले में सरकारी स्कूल होंगे। चौथा- हर गांव और मोहल्ले में मोहल्ला क्लिनिक बनवाएंगे। पांचवां- दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा देंगे। छठी- किसानों को स्वामिनाथन आयोग की सिफारिश के मुताबिक फसलों पर एमएसपी देंगे। यह ऐलान करने से पहले मैंने INDIA गठबंधन के साथियों से उनकी अनुमति नहीं ली लेकिन उम्मीद है कि किसी को इस पर आपत्ति नहीं होगी। यह गारंटी हम अगले पांच वर्ष में पूरी करेंगे।'

रामलीला मैदान 'INDIA' गठबंधन की रैली की जा रही है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) नेता और पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल, महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे व INDIA गठबंधन के अन्य नेता मंच पर उपस्थित हैं। बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम और राजद नेता तेजस्वी यादव, नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख फारूक अब्दुल्ला, पंजाब के सीएम भगवंत मान और अन्य भारतीय गठबंधन नेता दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली में मौजूद हैं।

आप नेता गोपाल राय ने कहा भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा का पाप का घड़ा भर चुका है। ईडी, सीबीआई के दम पर विपक्ष को खत्म किया जा रहा है। युवाओं, छात्रों, किसान-मजदूरों को कुचला जा रहा है। इंडिया गठबंधन लोकतंत्र को बचाने के लिए तैयार है।

शिक्षा विभाग कब जागेगा: सैकड़ों स्कूल के पास नहीं मान्यता फिर भी एडमिशन जारी, बेच रहे ड्रेस; दे रहे बस सुविधा

परिवहन विशेष न्यूज

बेसिक शिक्षा विभाग के पोर्टल पर 1100 से अधिक निजी स्कूल पंजीकृत हैं, जबकि सैकड़ों स्कूलों की जानकारी विभाग के पास नहीं है। उन निजी स्कूलों के पास मान्यता नहीं है। बिना मान्यता के कक्षा एक से आठ तक के स्कूलों का संचालन किया जा रहा है।

नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा में सैकड़ों स्कूलों के पास मान्यता नहीं है, फिर भी बच्चों को दाखिला दे रहे हैं। स्कूल की यूनिफार्म बचे रहे हैं। ट्रांसपोर्ट की सुविधा भी उपलब्ध करा रहे हैं, बेसिक शिक्षा विभाग अनजान बना हुआ है। बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले स्कूलों पर कार्रवाई नहीं की जा रही है। इस कारण शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध स्कूलों की तादाद बढ़ती जा रही है।

बेसिक शिक्षा विभाग के पोर्टल पर 1100 से अधिक निजी स्कूल पंजीकृत हैं, जबकि सैकड़ों स्कूलों की जानकारी विभाग के पास नहीं है। उन निजी स्कूलों के पास मान्यता नहीं है। बिना मान्यता के कक्षा एक से आठ तक के स्कूलों का संचालन किया जा रहा है। इन सभी स्कूलों में एक अप्रैल से शुरू होने वाले नए सत्र की पूरी तैयारी कर ली गई है। बच्चों के दाखिले की प्रक्रिया चल रही है।

अभिभावकों का कहना है कि स्कूलों के पास मान्यता नहीं है, उसके बाद भी वो अपनी यूनिफार्म बच्चों को बेच रहे है। किताबों के लिए भी वेंडर निर्धारित कर रखे हैं।

कई वर्षों से नहीं की गई कार्रवाई

बेसिक शिक्षा विभाग ने बिना मान्यता के चल रहे स्कूलों के खिलाफ कई वर्षों से कार्रवाई नहीं की है। इस कारण ऐसे स्कूलों की संख्या बढ़ती जा रही है। कोविड काल से पूर्व में विभाग ने अभियान चलाकर कार्रवाई की थी, लेकिन तब भी शत प्रतिशत स्कूलों को बंद नहीं कराया जा सका था। जेवर, दादरी क्षेत्र में भी बिना मान्यता के स्कूल चल रहे हैं। पिछले वर्ष जिला विद्यालय निरीक्षक ने पंजीकरण नहीं कराने पर 14 स्कूलों को नोटिस जारी किया था।

आवेदन करते ही मान लेते हैं मान्यता

बिना मान्यता के चल रहे काफी निजी स्कूल मान्यता के लिए आवेदन कर चुके हैं। आवेदन करने के साथ ही स्कूल मान्यता मिलना पक्का मान लेते हैं और स्कूल का संचालन शुरू कर देते हैं, लेकिन कागजात पूरा नहीं होने के कारण मान्यता नहीं दी जा सकती है। विभाग इन स्कूलों को बंद भी नहीं करा रहा है।

शिक्षा विभाग शिकायत मिलने का इंतजार करता है, जबकि बिना मान्यता के चल रहे स्कूलों के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई करनी चाहिए। कार्रवाई भी सत्र शुरू होने से पहले होनी चाहिए, ताकि अभिभावकों को हानि से बचाया जा सके। इसकी शिकायत उच्च अधिकारियों से करेंगे। *-सुखपाल सिंह तूर, अध्यक्ष एनसीआर पेरेंट्स एसोसिएशन*

नया सत्र शुरू हो गया है, बिना मान्यता के चलने वाले स्कूलों को भी चिन्हित किया जाएगा। उन पर जुर्माना लगाते हुए वहां के बच्चों को नजदीक के परिषदीय स्कूलों में दाखिला कराया जाएगा। *-राहुल पंवार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी*

युवती को मोबाइल पर भेजे अश्लील मैसेज, मना करने के बाद भी नहीं रूका; अब पहुंचा जेल

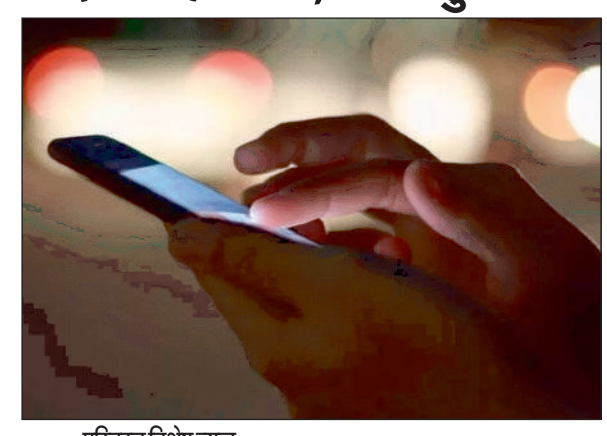

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा कोतवाली क्षेत्र स्थित एक रियल एस्टेट कंपनी में काम करने वाली युवती ने मुकदमा दर्ज कराया है। युवती ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से उसके मोबाइल नंबर पर एक अज्ञात नंबर से अश्लील मैसेज आ रहे हैं। पीड़िता का कहना है कि उसने मैसेज भेजने वाले से कई बार मैसेज भेजने से मना किया लेकिन वह नहीं मान रहा है।

नोएडा। कोतवाली सेक्टर-142 क्षेत्र के सेक्टर-137 में रहने वाली एक युवती को अनजान नंबर से अश्लील मैसेज करना भारी पड़ गया। पुलिस ने युवती की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनीत राणा ने बताया कि कोतवाली क्षेत्र स्थित एक रियल एस्टेट कंपनी में काम करने वाली युवती ने मुकदमा दर्ज कराया है। युवती ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से उसके मोबाइल नंबर पर एक अज्ञात नंबर से अश्लील मैसेज आ रहे हैं। पीड़िता का कहना है कि उसने मैसेज भेजने वाले से कई बार मैसेज भेजने से मना किया, लेकिन वह नहीं मान रहा है।

मानसिक रूप से महिला परेशान

उन्होंने बताया कि इसके चलते पीड़िता मानसिक रूप से काफी परेशान है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच की तो पता चला कि आरोपित युवती से पूर्व से परिचित है, लेकिन वह अज्ञात नंबर से मैसेज कर रहा था। पुलिस ने जांच के बाद आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित की पहचान मथुरा के दीपक के रूप में हुई। आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

गैस रिसाव की वजह से रेस्तरां और ढाबे में लगी आग, लाखों का सामान स्वाहा

नोएडा के कोतवाली सेक्टर-24 क्षेत्र में सेक्टर-12 के एक्स ब्लॉक स्थित जायका किंग रेस्तरां और कड़क सिंह ढाबा में रविवार शाम गैस रिसाव के कारण आग लग गई। आग लगने से दोनों प्रतिष्ठानों पर लाखों का सामान जलकर राख हो गया। दमकल विभाग की तीन गाड़ियों ने करीब 15 मिनट में आग पर काबू पाया। हालांकि प्रारंभिक स्तर पर स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पा लिया था।

नोएडा। tकोतवाली सेक्टर-24 क्षेत्र में सेक्टर-12 के एक्स ब्लॉक स्थित जायका किंग रेस्तरां और कड़क सिंह ढाबा में रविवार शाम गैस रिसाव के कारण आग लग गई। आग लगने से दोनों प्रतिष्ठानों पर लाखों का सामान जलकर राख हो गया। दमकल विभाग की तीन गाड़ियों ने करीब 15 मिनट में आग पर काबू पाया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि सेक्टर-12 के सामने एक्स ब्लाक में जायका किंग रेस्तरां और कड़क सिंह ढाबा में आग लगने की सूचना करीब 4 बजकर 55 मिनट पर मिली। आग लगने का कारण गैस रिसाव होना बताया गया। मौके पर तत्काल तीन गाड़ियों को भेजा गया।

दमकल कर्मियों ने करीब 15 मिनट में आग पर काबू पाया। हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है और न ही अग्निकांड के दौरान कोई अंदर फंसा रहा। सीएफओ ने बताया कि आग जायका किंग रेस्तरां में पहले लगी थी। करीब साढ़े चार बजे यहां आग लगी। जिस समय आग लगी कुक और उसके सहकर्मी समेत करीब दस लोग अंदर थे।

नोएडा के 13 हजार से ज्यादा फ्लैट खरीदारों के लिए अच्छी खबर, इन 14 बिल्डर प्रोजेक्ट में मिलेगा मालिकाना हक

नोएडा के 13 हजार फ्लैट खरीदारों के लिए अच्छी खबर है। इन खरीदारो को जल्द अपने घर का मालिकाना हक मिलेगा। यह रजिस्ट्री होंगी जब बिल्डर 2791.74 करोड़ रुपये प्राधिकरण में जमा करेगा। यह पैसा बिल्डरों को एक साल में जमा करना है। अभी तक कुल 35 बिल्डरों ने अमिताभ कांत की सिफारिश के तहत प्राधिकरण को इसकी सहमति दी है।

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में 13 हजार 639 होम बायर्स को उनको मालिकाना हक मिल जाएगा। इसके लिए 35 बिल्डरों ने अमिताभ कांत की सिफारिश के तहत प्राधिकरण को सहमति दे दी है। यह रजिस्ट्री होंगी जब बिल्डर 2791.74 करोड़ रुपये प्राधिकरण में जमा करेगा।

यह पैसा बिल्डरों को एक साल में जमा करना है। सिफारिश के तहत अभी इसी बकाया का 25 प्रतिशत जमा किया जा रहा है। यह कुल बकाया के 552.51 करोड़ रुपये है। इसके जमा होने पर 3412 रजिस्ट्री हो जाएगी।

चुनाव से पहले घरों का मालिकाना हक मिलने से फ्लैट खरीदारों में खुशी, नोएडा में 25 बायर्स की हुई रजिस्ट्री

DDA Housing Scheme: डीडीए के फ्लैटों में अधूरे पड़े हैं कई काम, खरीदारों का दिल टूटा

अब तक कितने फ्लैट बायर्स की हुई रजिस्ट्री?

प्राधिकरण सीईओ डा लोकेश एम ने बताया कि वर्तमान में 14 बिल्डरों ने 112 करोड़ रुपये प्राधिकरण में जमा कराया है। इनकी रजिस्ट्री चल रही है। इसमें करीब 600 फ्लैट खरीदारों को मालिकाना हक मिलेगा।

अब तक सेक्टर-77 एक्सप्रेस जेनिथ और सेक्टर-6 नोएडा स्थित इंदिरागांधी कला केंद्र और रजिस्ट्रार कार्यालय में रजिस्ट्री की जा रही है। अब तक 500 फ्लैट बायर्स की रजिस्ट्री हो चुकी है।

अमिताभ कांत समिति के प्रस्तावों को कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद शासनादेश की शर्तों का पालन कर सहमति देने के लिए नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी बकायेदार बिल्डरों के साथ लगातार बैठकें कर रहे हैं। इस शासनादेश में मुख्य रूप से एक अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2022 तक के काल को कोविड काल मानते हुए जीरो पीरियड का लाभ दिया जाना है।

15 दिन में खराब हुआ जूता, स्टोर ने नहीं किए वापस; उपभोक्ता आयोग ने मुआवजा देने का दिया आदेश

परिवहन विशेष न्यूज

करीब दो हफ्ते में ही नए जूते खराब हो जाने पर उपभोक्ता आयोग (Consumer Commission) ने कंपनी को आदेश दिया है कि वह उपभोक्ता को 15 हजार रुपये का मुआवजे के साथ ही जूते की राशि ब्याज समेत वापस करे। उपभोक्ता को नौ प्रतिशत की दर से जूते की राशि दी जाएगी। यह आदेश जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग की सदस्य खुशविंद्र कौर ने दिया है।

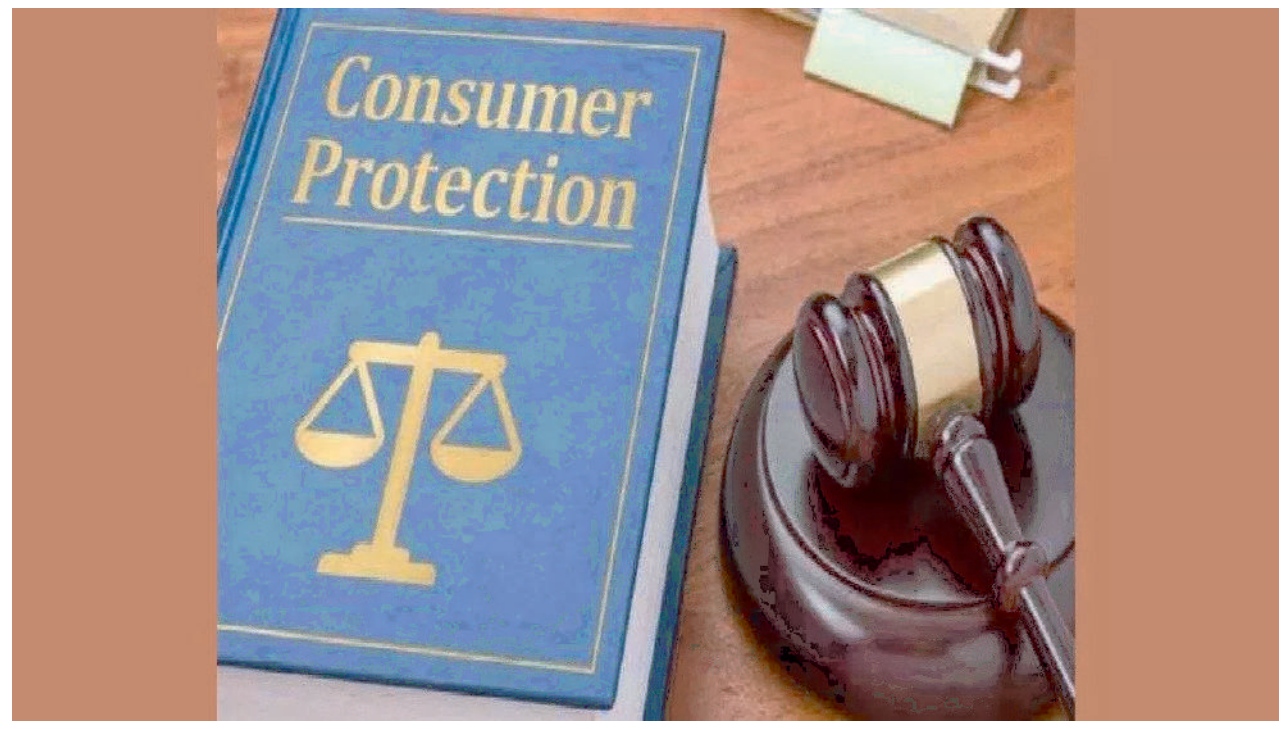

नईदिल्ली। करीब दो हफ्ते में ही नए जूते खराब हो जाने पर उपभोक्ता आयोग (Consumer Commission) ने कंपनी को आदेश दिया है कि वह उपभोक्ता को 15 हजार रुपये का मुआवजे के साथ ही जूते की राशि ब्याज समेत वापस करे। उपभोक्ता को नौ प्रतिशत की दर से जूते की राशि दी जाएगी। यह आदेश जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग की सदस्य खुशविंद्र कौर ने दिया है।

गुरुग्राम निवासी मनदीप ने अपनी याचिका में बताया कि सेक्टर-14 में स्थित न्यू बैलेंस स्टोर से 15 अगस्त 2023 को एक जोड़ी जूते 4500 रुपये में खरीदे थे। जूते खरीदने के 15 दिन बाद ही जूते के धागे खुलने लगे थे।

स्टोर वालों ने पैसे नहीं किए वापस

इसको लेकर उन्होंने स्टोर पर जाकर शिकायत करते हुए जूते बदलने या पैसे वापस करने के लिए कहा था, लेकिन स्टोर वालों ने ऐसा नहीं किया। इस पर उन्होंने उपभोक्ता आयोग में याचिका दायर कर दी। इस मामले में स्टोर ने अपना पक्ष आयोग में नहीं रखा था। आयोग में अपना पक्ष नहीं रखा था।

47 वर्षों बाद फिर रायबरेली-अमेठी से गांधी परिवार को वनवास !

अजय कुमार

गौरतलब हो, रायबरेली और अमेठी का नाम आते ही गांधी परिवार की चर्चा सबसे पहले शुरू होती है। असल में यहां की राजनीतिक तस्वीर गांधी परिवार के इर्दगिर्द घूमती रही है तो यहां की जनता ने गांधी को गांधी से लड़ते हुए भी देखा है। यहां पर दो बार गांधी परिवार के बीच ही मुकाबला हो चुका है।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस 17 सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ेगी। सपा से समझौते के तहत कांग्रेस को यह सीटें मिली हैं। सपा और कांग्रेस इंडी गठबंधन का हिस्सा हैं, इसलिये जहां कांग्रेस चुनाव लड़ेगी उस सीट पर समाजवादी पार्टी का प्रत्याशी नहीं होगा। कांग्रेस को 2019 के लोकसभा चुनाव में यूपी से एक सीट जीतने में सफलता मिली थी और पूरे प्रदेश में उसका वोट मात्र दो फीसदी के करीब था। 2019 से आज तक कांग्रेस की स्थिति में कोई सुधार नहीं आया है, बल्कि गिरावट ही देखने को मिली है। कांग्रेस की हालत इतनी दयनीय है कि गांधी परिवार तक यूपी से चुनाव लड़ने की ताकत नहीं जुटा पा रहा है। 2019 में राहुल गांधी अमेठी हार गये थे तो 2024 में सोनिया गांधी ने अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली को टाटा- बाय-बाय कह दिया है। वह राज्यसभा की सदस्य बन गई हैं। अमेठी और रायबरेली में कांग्रेस की आज जैसी दयनीय स्थिति 47 वर्ष पूर्व 1977 में देखने को मिली थी, जब इमरजेंसी के बाद हुए लोकसभा चुनाव में रायबरेली से तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को समाजवादी राजनारायण सिंह से और अमेठी से संजय गांधी को हार का मुंह देखना पड़ा था। 1977 और 2024 के आम चुनाव में बस अंतर इतना है कि 1977 में गांधी परिवार की तानाशाही के चलते वोटरों ने उसको ठुकरा दिया था, लेकिन 47 वर्षों के बाद 2024 में गांधी परिवार को विश्वसनीयता के संकट के कारण रायबरेली-अमेठी से दूर भागना पड़ रहा है।

> गौरतलब हो, रायबरेली और अमेठी का नाम आते ही गांधी परिवार की चर्चा सबसे पहले शुरू होती है। असल में यहां की राजनीतिक तस्वीर गांधी परिवार के इर्दगिर्द घूमती रही है तो यहां की जनता ने गांधी को गांधी से लड़ते हुए भी देखा है। यहां पर दो बार गांधी परिवार के बीच ही मुकाबला हो चुका है।

गौरतलब हो, रायबरेली और अमेठी का नाम आते ही गांधी परिवार की चर्चा सबसे पहले शुरू होती है। असल में यहां की राजनीतिक तस्वीर गांधी परिवार के इर्दगिर्द घूमती रही है तो यहां की जनता ने गांधी को गांधी से लड़ते हुए भी देखा है। यहां पर दो बार गांधी परिवार के बीच ही मुकाबला हो चुका है। हैरानी की बात तो यह है कि दोनों बार विरासत एक बड़ा मुद्दा था। पहले चुनाव में वारिस कौन तो दूसरे चुनाव में असली गांधी कौन की गूंज। यह बात अलग है कि दोनों चुनावों में शिकस्त खाने वाले गांधी ने दोबारा से अमेठी की तरफ घूमकर भी नहीं देखा। वर्ष 1980 में संजय गांधी ने यहां से पहली बार जीत दर्ज की। उसी साल विमान हादसे में उनकी मौत के बाद 1981 में हुए उपचुनाव में राजीव गांधी मैदान में उतरे। यहां से उन्होंने अपनी राजनीतिक पारी शुरू की। इसके बाद सियासत ने रंग दिखाना शुरू कर दिया। वर्ष 1984 का चुनाव उस वक्त दिलचस्प हो गया जब कांग्रेस के राजीव गांधी के सामने उनके स्वर्गीय छोटे भाई संजय गांधी की पत्नी मेनका गांधी ने निर्दल प्रत्याशी के तौर पर मोर्चा खोल दिया। 1984 में राजीव गांधी के खिलाफ मैदान में उतरने वाली मेनका गांधी ने 1982 से ही अमेठी में सक्रियता बढ़ा दी थी। ऐसे में जब वह 1984 में चुनाव में उतरीं तो अमेठी की जनता उलझन में पड़ गई। एक ओर इंदिरा की हत्या के बाद जनता की सहानुभूति राजीव गांधी के साथ थी तो वहीं दूसरी ओर अमेठी के सांसद रहे संजय गांधी की विधवा मेनका गांधी के प्रति आत्मीय लगाव, लेकिन बाजी राजीव ने ही मारी। वर्ष 1984 में राजीव गांधी को प्रचार के लिए पहली बार सोनिया गांधी को मैदान में उतारना पड़ा। हालांकि उस वक्त सोनिया ने कोई सभा तो नहीं की, लेकिन वह घर-घर जाकर महिलाओं से मिल रही थीं। पूरे चुनाव तक उन्होंने ही प्रचार की बागडोर संभाली।

दूसरा मुकाबला वर्ष 1989 में हुआ, जब कांग्रेस के राजीव गांधी के सामने महात्मा गांधी के पौत्र राजमोहन गांधी ने ताल ठोंक दी। उस वक्त जनता दल व भाजपा ने संयुक्त रूप से राजमोहन गांधी पर भरोसा जताया था। इस चुनाव में असली बनाम नकली गांधी का मुद्दा खूब उछला। कई बड़े दिग्गज नेताओं ने सभा की। आरोप प्रत्यारोप के खूब शब्दवाण चले, लेकिन अमेठी की जनता ने एक बार फिर राजीव गांधी का साथ दिया, लेकिन इससे उलट आज अमेठी-रायबेरली में गांधी परिवार की स्थिति काफी दयनीय हो गई है। 1977 से लेकर अब तक यह पहला मौका है, जब कांग्रेस टिकट को लेकर उलझन में है। अमेठी से 2019 के चुनाव में शिकस्त खाने के बाद राहुल गांधी को दोबारा से मैदान में उतारने के लिए कांग्रेसी लगातार पैरवी कर रहे हैं, लेकिन हार के डर से राहुल अमेठी से चुनाव लड़ने की ताकत नहीं जुटा पा रही है। अमेठी से राहुल गांधी को चुनाव लड़ाने की इच्छा लिये अमेठी के कांग्रेसी दिल्ली तक की दौड़ भी लगा रहे हैं, लेकिन उन्हें कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिल पा रहा है। यही स्थिति रायबरेली की भी है। बता दें अमेठी और रायबरेली में पांचवें चरण में मतदान होना है।

मोबाइल बनाने वाली कंपनी ने शुरू की इलेक्ट्रिक कार की डिलीवरी, जानें खूबियां और कीमत

परिवहन विशेष न्यूज

मोबाइल बनाने वाली चीन की कंपनी Huawei ने Chery Auto के साथ मिलकर बनाई नई Electric Car Luxeed S7 की डिलीवरी को शुरू कर दिया है। कंपनी की ओर से इस इलेक्ट्रिक कार में किस तरह की खूबियों को दिया है। सिंगल चार्ज में इस कार की रेंज क्या है और इसे किस कीमत पर खरीदा जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। चीन की मोबाइल कंपनी Huawei ने अपनी Electric Car Luxeed S7 की डिलीवरी देनी शुरू कर दी है। कंपनी ने इस गाड़ी को Chery Auto के साथ मिलकर बनाया है। कंपनी की ओर से इस गाड़ी में किस तरह के फीचर्स को दिया जा रहा है। इसे किस कीमत पर खरीदा जा सकता है। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

Huawei Luxeed S7 की डिलीवरी शुरू

हुआवे की Electric Car Luxeed S7 की डिलीवरी को शुरू कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी की ओर से बनाई गई यह पहली कार है। गाड़ी की डिलीवरी को पहले ही शुरू किया जाना था, लेकिन सेमीकंडक्टर की कमी के कारण इसकी डिलीवरी को अब शुरू किया गया है। करीब चार से पांच महीने पहले जिन ग्राहकों ने इस गाड़ी के लिए ऑर्डर दिया था, उनको इसकी डिलीवरी की जा रही है।

कैसे हैं फीचर्स

हुआवे की नई इलेक्ट्रिक कार में काफी बेहतरीन फीचर्स को दिया जा रहा है। कंपनी अपनी इस गाड़ी में ऑटोमैटिक ड्राइविंग सिस्टम 2.0, हार्मनी ओएस पावर्ड स्मार्ट कॉकपिट, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर जैसे फीचर्स को दिया जा रहा है। इस गाड़ी को सिंगल चार्ज के बाद 855 किलोमीटर की अधिकतम रेंज मिलती है। हालांकि इसके अन्य वेरिएंट्स में 550, 630, 705 किलोमीटर की रेंज भी मिलती है। इसको पांच मिनट चार्ज करने के बाद 215 किलोमीटर और 15 मिनट चार्ज करने के बाद 430 किलोमीटर की रेंज मिल जाती है। गाड़ी को सिंगल और ड्यूल मोटर के विकल्प के साथ पेश किया जाता है।

थोड़ा सा चूके तो हो जाएगा कांड! Petrol Pump पर फ्यूल डलवाते समय हमेशा ध्यान रखें ये बातें

Petrol Pump Fraud

जब आप किसे स्पेसिफिक नंबर में फ्यूल भराते हैं तो ऐसे में आपके साथ स्कैम हो सकता है। कम डेंसिटी वाला फ्यूल खरीदना भी आपके लिए पैसों का नुकसान हो सकता है। इससे बचने के लिए ग्राहकों को जागरूक रहना चाहिए और मीटर पर दर्शाए गए डेंसिटी की जांच करनी चाहिए। आइए इन स्कैम्स के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। अगर आपके पास बाइक या कार है, तो जाहिर सी बात है पेट्रोल पंप पर जरूर जाते होंगे। क्या आपको पता है कि कई फ्यूल स्टेशन आपकी मेहनत की कमाई पर चूना लगा रहे हैं? आइए, वाहन में ईंधन भराते समय बरतने वाली सावधानियों के बारे में जान लेते हैं।

'जीरो' चेक करें

जब आप किसे स्पेसिफिक नंबर में फ्यूल भराते हैं, तो ऐसे में आपके साथ स्कैम हो सकता है। उदाहरण के लिए, अगर आप 1,000 रुपये मूल्य का पेट्रोल भराते हैं और मीटर पहले से ही 200 रुपये पर है, तो आपको 1,000 रुपये का भुगतान करना पड़ सकता है, लेकिन आपको केवल 800 रुपये मूल्य का ईंधन ही मिलेगा और आपका 200 रुपये का नुकसान हो जाएगा।

'डेंसिटी' वाले गेम से बचें!

कम डेंसिटी वाला फ्यूल खरीदना भी आपके लिए पैसों का नुकसान हो सकता है। इससे बचने के लिए ग्राहकों को जागरूक रहना चाहिए और मीटर पर दर्शाए गए डेंसिटी की जांच करनी चाहिए। अगर पेट्रोल की डेंसिटी 730 से 800 के बीच है, तो वह शुद्ध माना जाता है। वहीं, शुद्ध डीजल की डेंसिटी 830 से 900 के बीच होती है।

घटतौली से बचें

कई पेट्रोल पंप पर ऐसे स्कैम भी देखे गए हैं, जो एक चिप का इस्तेमाल करते हैं। ये चिप मीटर द्वारा बताए गए ईंधन की तुलना में 3 प्रतिशत कम फ्यूल भरती है। इस हिसाब से अगर आप 1,000 रुपये मूल्य के पेट्रोल के लिए भुगतान करते हैं, तो मीटर पूरी राशि दिखाता है लेकिन आपको वास्तव में केवल 970 रुपये मूल्य का पेट्रोल मिलता है।

नई जेनरेशन वाली स्विफ्ट में मिल सकते हैं ये पांच बेहतरीन फीचर्स, जानें कब हो सकती है लॉन्च

देश की सबसे बड़ी वाहन निर्माता मारुति सुजुकी की ओर से Swift को हैचबैक सेगमेंट में ऑफर किया जाता है। जानकारी के मुताबिक कंपनी अपनी इस हैचबैक कार का नया वर्जन जल्द ही भारत में लॉन्च कर सकती है। Maruti की ओर से नई जेनरेशन Swift में कौन से पांच बेहतरीन फीचर्स को ऑफर किया जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। कार बाजार में हैचबैक सेगमेंट में सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली कार Maruti Swift की नई जेनरेशन को देश में जल्द लॉन्च किया जा सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी नई स्विफ्ट में किस तरह के पांच फीचर्स को ऑफर कर सकती है। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

नई Swift में मिल सकता है ADAS

मारुति अपनी नई जेनरेशन वाली हैचबैक कार स्विफ्ट को कई बेहतरीन फीचर्स के साथ ऑफर कर सकती है। जानकारी के मुताबिक कंपनी अपनी इस नई कार में ADAS जैसे सेफ्टी फीचर को भी दे सकती है। हालांकि अभी यह तय नहीं है कि इसमें लेवल 1 या लेवल 2 में से किस तरह के ADAS को ऑफर किया जाएगा। लेकिन स्विफ्ट में यह फीचर दिया जाता है तो यह ADAS के साथ आने वाली सबसे सस्ती कारों में से एक होगी।

360 डिग्री कैमरा

नई स्विफ्ट में मारुति की ओर से 360 डिग्री कैमरे के फीचर को भी दिया जा सकता है। देश में ज्यादातर लोग अपनी कार को काफी ज्यादा ट्रैफिक और तंग सड़कों पर चलाते हैं। ऐसे में अगर कंपनी इस गाड़ी में 360 डिग्री कैमरे जैसे फीचर को देती है, तो इससे ग्राहकों को काफी फायदा मिल सकता है।

वेंटिलेटिड सीट

नई जेनरेशन स्विफ्ट को हाल में ही कंपनी ने ब्रिटेन में पेश किया है। जिसमें कंपनी ने हीटेड सीट्स को दिया है। लेकिन भारतीय वर्जन में कंपनी वेंटिलेटिड सीट्स को ऑफर कर सकती है। जिससे गर्मियों के दौरान कार में सफर करने वालों को फायदा मिल पाएगा।

ऑल व्हील ड्राइव

मारुति स्विफ्ट की नई जेनरेशन में कंपनी ऑल व्हील ड्राइव जैसे फीचर को भी ऑफर कर सकती है। लेकिन इस फीचर को ऑप्शनल तौर पर ऑफर किया जा सकता है। यूके के साथ ही जापान में भी इस फीचर को ऑप्शनल तौर पर दिया जाता है। फिलहाल मारुति की ओर से ग्रैंड विटारा एसयूवी को इस फीचर के साथ ऑफर किया जाता है।

इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक

मारुति स्विफ्ट में कंपनी की ओर से इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक जैसे फीचर को भी दिया जा सकता है। अगर इस कार में यह फीचर दिया जाता है तो हैचबैक सेगमेंट की यह पहली कार होगी जिसमें इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक को दिया जाएगा। कंपनी की प्रीमियम एमपीवी इनविक्टो में फिलहाल इस फीचर को दिया जाता है।

Suzuki V Strom 800DE Vs BMW F 850 GS: 800 सीसी की इन दोनों एडवेंचर बाइक स में से कौन है बेहतर,

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय बाजार में 800 सीसी सेगमेंट में Suzuki V Strom 800DE बाइक को हाल में ही लॉन्च किया गया है। सुजुकी की इस बाइक का मुकाबला BMW F 850 FS से होता है। 800 सीसी की इन दोनों बाइक स में किस तरह के फीचर्स को दिया जाता है। इनमें कितनी क्षमता का इंजन मिलता है और इनकी कीमत क या है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। 800 सीसी सेगमेंट की बाइक सेगमेंट में हाल में ही Suzuki की ओर से V Strom 800DE बाइक को लॉन्च किया गया है। भारतीय बाजार में इस एडवेंचर बाइक का मुकाबला BMW F 850 GS से होगा। हम इस खबर में आपको इन दोनों बाइक्स के फीचर्स, इंजन और कीमत की जानकारी दे रहे हैं।

कैसा है इंजन

सुजुकी और बीएमडब्ल्यू की ओर से 800 सीसी सेगमेंट में इन दोनों ही बाइक्स को बेहतर ताकतवर इंजन और फीचर्स के साथ ऑफर किया जाता है। सुजुकी की ओर से V Strom 800DE बाइक को एडवेंचर बाइक के तौर पर ऑफर किया गया है। इस बाइक में कंपनी की ओर से 776 सीसी का फोर स्ट्रोक टू सिलेंडर लिक्विड कूल्ड डीओएचसी इंजन दिया जाता है। जिससे इसे 84.3 हॉर्स पावर और 78 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। वहीं BMW F 850 GS बाइक में कंपनी की ओर से 853 सीसी का टू सिलेंडर वॉटर कूल्ड इंजन दिया जाता है। जिससे बाइक को 95 हॉर्स पावर और 92 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है।

कैसे हैं फीचर्स

सुजुकी की ओर से हाल में भारतीय बाजार में लॉन्च की गई V Strom 800DE बाइक में एलईडी लाइट्स, यूएसबी पोर्ट, पांच इंच का डिजिटल स्पीडोमीटर, इंजन अंडर कवर, नकल कवर, हाइड एडजस्टेबल विंड स्क्रीन, 20 लीटर का फ्यूल टैंक दिया जाता है। बाइक में सुजुकी ड्राइव मोड सिलेक्टर, ट्रैक्शन कंट्रोल, ग्रेवल मोड, राइड बाय वायर इलेक्ट्रॉनिक थ्रोटल सिस्टम, लो आरपीएम असिस्ट, टू मोड एबीएस, रियर एबीएस कैंसिल मोड जैसे फीचर्स दिए जाते हैं। जबकि BMW F 850 GS में एंटी होपिंग क्लच, एबीएस प्रो, स्टेयरिंग स्टेबलाइजर, एलईडी लाइट्स, यूएसबी चार्जर, राइडिंग मोड्स, इंजन स्किड प्लेट, एडजस्टेबल विंडस्क्रीन, ट्रैक्शन कंट्रोल, क्रूज कंट्रोल, टीपीएमएस जैसे फीचर्स मिलते हैं।

सनरूफ के साथ किआ सोनेट के सस्ते वेरिएंट हो सकते हैं लॉन्च

परिवहन विशेष न्यूज

साउथ कोरियाई कार निर्माता Kia की ओर से कॉम्पैक्ट SUV के तौर पर Sonet को ऑफर किया जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस एसयूवी के दो और वेरिएंट्स को भारतीय बाजार में लाया जा सकता है। जिनमें कंपनी Sunroof जैसे फीचर को दे सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक किन वेरिएंट्स को लाने की तैयारी की जा रही है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक Kia अपनी कॉम्पैक्ट SUV Sonet के दो और वेरिएंट्स को लाने की तैयारी कर रही है। जिनमें Sunroof जैसे फीचर को ऑफर किया जा सकता है। हम इस खबर में आपको बता रहे हैं कि कंपनी किन नए वेरिएंट्स को ला सकती है।

Kia Sonet के आएंगे नए वेरिएंट

रिपोर्ट्स के मुताबिक किआ की ओर से सोनेट एसयूवी के दो नए वेरिएंट्स को लाने की तैयारी की जा रही है। कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में सोनेट की बिक्री को बढ़ाने के लिए कंपनी की ओर से इन दो नए वेरिएंट्स को लाया जा सकता है। जानकारी के मुताबिक एचटीई ऑप्शनल और एचटीके ऑप्शनल नाम से इन दोनों वेरिएंट्स को लाया जा सकता है। इन वेरिएंट्स में कंपनी सनरूफ जैसे फीचर को ऑफर कर सकती है।

कितने हैं वेरिएंट्स

फिलहाल कंपनी की ओर से HTE, HTK, HTK+, HTX, HTX+, GTX+ और X Line वेरिएंट्स को ऑफर किया जाता है। नए HTE (O) और HTK (O) वेरिएंट आने के बाद इस एसयूवी के कुल नौ वेरिएंट बाजार में उपलब्ध होंगे। अभी HTK+ वेरिएंट और ऊपर के वेरिएंट्स में ही सनरूफ जैसे फीचर को दिया जाता है। लेकिन बाजार में इस फीचर की ज्यादा मांग के कारण यह नए वेरिएंट्स को लाया जा सकता है।

कितनी होगी कीमत

कंपनी सोनेट एसयूवी के HTE वेरिएंट को बेस वेरिएंट के तौर पर ऑफर करती है। इस वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत आठ लाख रुपये है। जबकि HTK वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 8.79 लाख रुपये है। अगर इन दोनों के नए ऑप्शनल वेरिएंट को सनरूफ के साथ लाया जाता है तो इनकी कीमत में करीब 50 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी हो सकती है। लेकिन सनरूफ के साथ इन वेरिएंट्स की कीमत HTK+ की कीमत से कम रहेगी।

जल संसाधनों का कुप्रबंध

डा. वरिंद्र भाटिया

पानी आवश्यकता ही नहीं, हमारे प्राणों से जुड़ा है। इसके लिए हम सबकी पहल जरूरी है, अन्यथा आने वाले समय में क्या देश और क्या दुनिया, सभी को प्यासे ही गुजर-बसर करना होगा। जल ही जीवन है। जल के बिना कल की कल्पना नहीं की जा सकती। जल संरक्षण, वॉटर रिजार्च और जन जागरूकता ही विकल्प हैं। लोगों की भागीदारी के बिना यह संभव नहीं है'

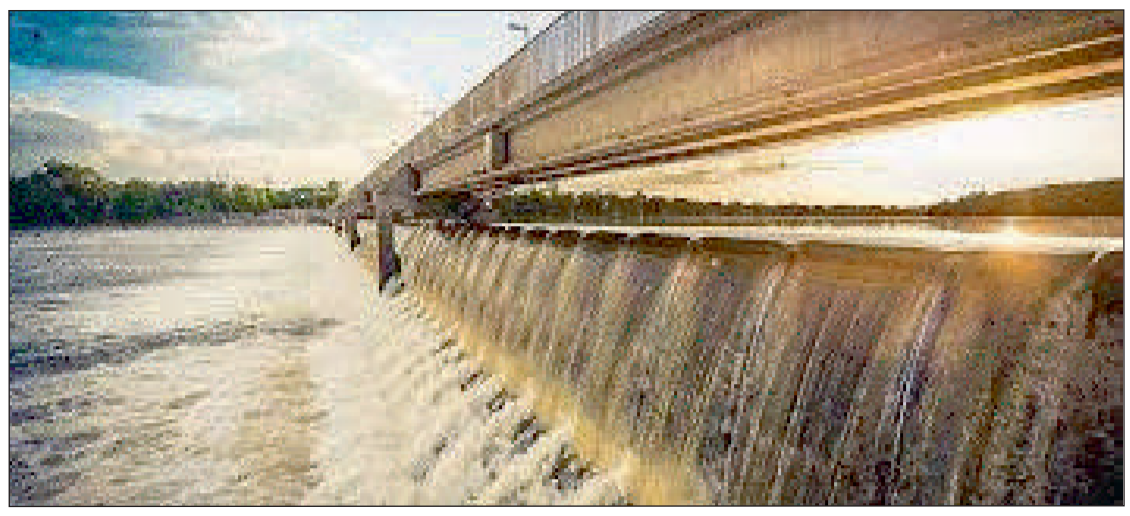

बीस मार्च को विश्व जल दिवस मनाया गया। ताजा खबरों के अनुसार इस समय दुनिया में बढ़ता जल संकट वैश्विक स्तर पर तनाव और अस्थिरता में बढ़ोतरी कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने विश्व जल दिवस के मौके पर जारी एक रिपोर्ट में यह चेतावनी दी है। यूएन की ओर से जारी रिपोर्ट 'यूएन वर्ल्ड वॉटर डेवलपमेंट रिपोर्ट 2024' की थीम 'शांति और समृद्धि के लिए जल जरूरी' रखी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सभी के लिए स्वच्छ जल की उपलब्धता दुनिया में शांति के लिए जरूरी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया में फिलहाल करीब एक चौथाई मानवता यानी 2.2 अरब लोगों की पहुंच स्वच्छ पेयजल तक नहीं है और 3.5 अरब लोग स्वच्छ और साफ स्थितियों में जीवनयापन नहीं कर रहे हैं।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जल संकट का पहला शिकार बालिकाएं और महिलाएं होती हैं, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली महिलाएं, क्योंकि परिवार के लिए पानी लाने और संग्रह करने की जिम्मेदारी मुख्य रूप से उन्हीं पर होती है। रिपोर्ट के अनुसार, लड़कियों को अस्वच्छ हालात में दिन के कई घंटे पानी लाने और ले जाने में बिताने पड़ते हैं। इस कारण उनका स्कूल छूट जाता है। इसे रोकना चाहिए। जल उपलब्धता में कमी के कारण दुनिया में अराजकता के हालात पैदा हो रहे हैं। जल की कमी दुनिया भर में पलायन का प्रमुख कारण है और विस्थापित लोग जिन स्थानों पर बसते हैं वहां संसाधनों पर दबाव पड़ता है। यूएन की रिपोर्ट में सोमालिया में एक अध्ययन का हवाला दिया गया है जिसमें विस्थापित लोगों के एक समूह के खिलाफ महिला उत्पीडऩ और हिंसा में 200 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी।

रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में कम से कम 10 प्रतिशत वैश्विक पलायन जल संकट से जुड़ा हुआ है। अब जबकि दुनिया में जलवायु से जुड़ी अनियमितताएं बढ़ रही हैं, इससे जुड़ा पलायन भी बढऩा तय है। रिपोर्ट के अनुसार, जल संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित गरीब देश हैं, जिनके लिए जलवायु परिवर्तन से अनुकूलन के समुचित साधन नहीं हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि गरीब देशों में 80 फीसदी नौकरियां पानी पर निर्भर होती हैं, क्योंकि यहां रोजगार सेक्टर की निर्भरता कृषि पर होती है। जबकि विकसित देशों में रोजगार की पानी पर निर्भरता 50 फीसदी ही होती है। ऐसे में गरीब देशों में जल संकट से समूची अर्थव्यवस्था में संकट और तनाव खड़ा हो जाता है, जो कि दुनिया में अस्थिरता का कारण बनता है।

बढ़ती जनसंख्या और पानी की अधिक खपत की प्रवृत्तियों पर गहराई से नजर डालें तो तो यह पता चल सकता है कि 1900 से वैश्विक तौर पर ताजे जल की खपत छह गुना क्यों बढ़ गई है? ताजे जल की निश्चित मात्रा की बढ़ती मांग से पानी से जुड़े कई विवाद पैदा हो रहे हैं। लेकिन अधिकतर जल संबंधी समस्याएं स्थानीय हैं, वैश्विक नहीं। अपने देश में भी गर्मी के मौसम से पहले भारत के 150 प्रमुख जलाशयों में भंडारण क्षमता उनकी कुल क्षमता का केवल 38 प्रतिशत है, जो पिछले दशक की इसी अवधि के औसत से कम है। बेंगलुरू जैसे शहर पहले से ही 2600 मिलियन (दस लाख) लीटर प्रतिदिन (एमएलडी) की मांग के मुकाबले लगभग 500 एमएलडी पानी की कमी से जूझ रहे हैं। साल 1947 में जब भारत स्वतंत्र हुआ था, तो प्रति व्यक्ति 5000 क्यूबिक मीटर पानी उपलब्ध था। साल 2021 से 2031 के बीच यह 1486 से गिरकर 1367 क्यूबिक मीटर हो जाएगा। इसका अर्थ यह है कि ऐसी कम उपलब्धता के साथ हम पानी के संकट में हैं।

चिंताजनक यह भी है कि जितना कम पानी उपलब्ध होगा, उतना ही वह प्रदूषित भी होता चला जाएगा। हमें 4000 अरब क्यूबिक मीटर पानी जो बारिश की कृपा से मिलता है, उसका हम मात्र 1100 क्यूबिक मीटर ही उपयोग में ला पाते हैं। अपने देश में 70 फीसदी पानी उपयोग के लिए अयोग्य पाया गया है। यही कारण है कि बोतलबंद पानी का व्यापार लगातार बढ़ता जा रहा है। ध्यान रहे, एक लीटर पानी की बोतल के पीछे तीन लीटर पानी खराब होता है और बोतलें प्लास्टिक प्रदूषण भी पैदा कर रही हैं। इस समय धरती पर पानी का संकट लगातार बढ़ता जा रहा है। इसकी चपेट में भारत समेत दुनिया के कई देश हैं। भारत में ऐसे शहर हैं, जहां पानी के लिए हाहाकार मच सकता है। इन पांच शहरों में दिल्ली, राजस्थान का जयपुर, पंजाब का बठिंडा, मुंबई और चेन्नई शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जल संकट एक राष्ट्रव्यापी मुद्दा है। भारत में दुनिया की आबादी का 18 प्रतिशत है, लेकिन जल संसाधन केवल 4 फीसदी हैं। भारत का जो मुख्य जल भंडार है, वह इस वक्त पांच साल में अपने सबसे निचले स्तर पर है। नीति आयोग की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2030 तक 40 फीसदी भारतीयों को पीने का पानी उपलब्ध नहीं होगा। लगभग 600 मिलियन भारतीय पहले से ही गंभीर जल संकट से जूझ रहे हैं। रिपोर्ट में चिंताजनक भूजल उपलब्धता वाले 21 शहरों का उल्लेख किया गया है। इसमें दिल्ली, गुरुग्राम, गांधीनगर, जयपुर, चेन्नई, हैदराबाद, आगरा, इंदौर, अमृतसर, वेल्लोर, चेन्नई व लुधियाना शामिल हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली की आबादी 2.4 करोड़ है। यहां 600 मिमी प्रति मिनट वर्षा होती है, जो जरूरत से काफी कम है। दिल्ली 50 फीसदी पानी की जरूरतों के लिए हरियाणा, उत्तर प्रदेश और पंजाब पर निर्भर है।

अगर इन राज्यों ने इनकार कर दिया तो दिल्ली बर्बादी के कगार पर पहुंच जाएगी। इसी तरह मुंबई समुद्र के किनारे बसा है। यहां भारी मात्रा में बारिश होती है। मुंबई अच्छे जल संसाधनों से समृद्ध है, लेकिन तेजी से हो रहे शहरीकरण और जनसंख्या विस्फोट के सामने जल संसाधन प्रबंधन प्रभावी नहीं हैं। इसलिए आने वाले समय में यहां भी पानी की किल्लत हो सकती है। और तो और, भले ही पंजाब में पांच नदियां हैं, लेकिन इसकी कृषि जल खपत वॉटर रिचार्ज की तुलना में बहुत अधिक है। नीति आयोग की रिपोर्ट में पंजाब के कई शहरों पर जल संकट का खतरा बताया गया है। इसे जांचना होगा। पानी की कमी एक मानव निर्मित आपदा है, इसलिए जल संसाधन के कुप्रबंधन को ठीक करना जरूरी है। इस बिंदु पर रहीम का एक दोहा याद आता है: 'रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून।' महान कवि रहीम भी जल संकट की मौजूदा स्थिति को काफी पहले समझ गए थे कि आने वाले समय में पानी कितना जरूरी है। उनके इस दोहे का सीधा सा अर्थ यही है कि पानी के बिना सब सूना है। इसके बिना लोगों की जिंदगी निरर्थक हो जाती है। जिस तरह से पानी घटता जा रहा है, वह हमें नष्ट कर देगा। हमें यह समझना होगा कि पानी के बारे में हाथ पर हाथ धरे निश्चिंत रहने का समय बहुत पहले बीत चुका है। अब कोई भी बहाना, लापरवाही या गलती करने का मौका हमारे पास नहीं है। इसलिए यथाशीघ्र हमें पानी के संबंध में एकजुट होकर सक्रिय होना आवश्यक है। जल के साथ-साथ हवा, मिट्टी, वन, पहाड़ आदि के लिए भी हमें सचेत होना चाहिए। पानी आवश्यकता ही नहीं, हमारे प्राणों से जुड़ा है। इसके लिए हम सबकी पहल जरूरी है, अन्यथा आने वाले समय में क्या देश और क्या दुनिया, सभी को प्यासे ही गुजर-बसर करना होगा। जल ही जीवन है। जल के बिना कल की कल्पना नहीं की जा सकती। जल संरक्षण, वॉटर रिजार्च और जन जागरूकता ही विकल्प हैं। लोगों की भागीदारी के बिना यह संभव नहीं है। जल संरक्षण करना जरूरी है और इसके लिए सामुदायिक आंदोलन शुरू किया जाना चाहिए। तभी जल संकट दूर होगा।

संपादक की कलम से

कांग्रेस खुद पर अफसोस करे

कांग्रेस खुद पर अफसोस या गुस्सा करे, अहंकार की दौलत में बिक रहा जमाना। जाहिर है हिमाचल से राज्यसभा की यात्रा ने एक सरकार के वजूद को छील दिया और इस छिछालेदर में सारी खुन्नस निकल गई। राजनीति अपनी बस्ती नहीं चुन सकती, तो अपनी ही अस्थि उठानी पड़ेगी, वरना भाजपा के कुल 25 विधायकों के सामने कांग्रेस के चालीस इतने सक्षम थे कि अभिषेक मनु सिंघवी यहां से राज्यसभा का तिलक लगाकर लौटते, मगर लुटिया डूबी जहां आशाएं तैर रही थीं। इस गिनती पर कौन भरोसा करे जिसने भाजपा के हर्ष में अपनी तौहीन कबूल की। आश्चर्य यह कि जिस अकड़ से सत्ता चल रही थी, उसकी हड्डी पसली एक कर दी, लेकिन आत्मबोध का आचरण खुद को साबित नहीं कर सका। सुलगती सूलियों को तिनके समझकर, कांग्रेस ने अपने ही हाथों को जलाया इस कद्र। ऐसे में भाजपा का जीतना जनादेश की गवाही नहीं, लेकिन कांग्रेस का हारना जगहंसाई जरूर है। कौनसा शिखर और कौनसी तोपें थीं इस दुर्ग की, कयामत घर से निकली और सारे गुरूर को जला गई। ऐसे में गलत कौन? जनता जिसने कांग्रेस को सत्ता सौंपी या व जो बागी हो गए। क्यों न इस सल्तनत को दोषी मानें जो हिमाचल में निरंकुश और दिल्ली में अंधी थी। कब कांग्रेस अपनी हैसियत से 'आलाकमान' की हेकड़ी से बाहर नेतृत्व का कौशल दिखा पाएगी। यहां वह नेतृत्व भी हारा जिसने हिमाचल में सुक्खू सरकार का मौजूदा आकार बनाया और वह सत्ता भी हारी जिसने यारों का सहारा बनाया। एक एक करके गिनेंगे तो कितने कैबिनेट रैंक बिखर गए और बिखरा वह असंतुलन जो हिमाचल में कांग्रेस को संगठित नहीं कर पाया। आश्चर्य यह कि मुख्यमंत्री के गृह जिला से तीन विधायकों ने बगावत की, तो अपनी ही पार्टी को हराने में सुधीर शर्मा व राजिंद्र राणा ने शहादत दी। एक आसान सी जीत में अगर सुक्खू सरकार फिसल गई, तो सरकार के असंतुलन ही खा गए सरकार को। 'चादर फट गई पांव में नाखून बढ़े थे, शहनशाह की किस्ती में छेद बड़े थे।' अब एक बदसूरत तस्वीर में कांग्रेस का तामझाम और दिल्ली का दरबार खुद को होश में लाने के लिए प्रयासरत है। चोट खाने के बाद दिल का हाल पूछा जा रहा है, अपनी नब्ज को दूसरे हाथ में देकर मापा जा रहा है। यानी छह विधायक छंट गए, विक्रमादित्य सिंह ने मंत्री पद छोड़ दिया और कितने सबूत चाहिएं कि आग किस कद्र लगी है। कांग्रेस को खुद पर भरोसा कब होगा। हिमाचल में सरकार का गठन जिस तरह हुआ, उसमें नालायकी, अहंकार, टकराव और उपेक्षा थी। फैसलों की फेहरिस्त में अपने ही विधायकों के अपमान अगर जुड़ रहे थे, तो कहीं बंदूक के साये सत्ता को अपने नशे की हिफाजत की चिंता थी। पहले मंत्रिमंडल के आकार में और फिर इसके प्रकार में कान ही तो पकड़े गए। जिस कांगड़ा ने दस विधायक दिए, उसका सबसे क्षमतावान चेहरा इतना मजबूर किया कि वह आज सरकार के विरुद्ध तलवार बन गया। मंत्रियों को मजदूर और गैर विधायकों को अंगूर खिलाकर आत्मसंतुष्टि तो हो सकती है, लेकिन सरकारें यूं नहीं चलतीं। आश्चर्य यह कि सरकार के बीच खड़े राजिंद्र राणा, सुधीर शर्मा व तमाम विक्षुब्ध विधायकों की न कोई सुन रहा था और न ही सुनना चाहता था। बहरहाल कांग्रेस 'आलाकमान' को इतना होश तो आया कि पर्यवेक्षक शिमला की गलियों में अपनी ही सरकार को ढूंढ रहे हैं। जनता ने तश्तरी पर सौंपी थी जो सत्ता, आज उसकी लाज बचाने के लाले पड़े हैं। इस दृश्य में भाजपा थी ही नहीं, लेकिन उसे अगर सियासी धाम परोसी गई, तो कांग्रेस को अब जनता क्यों अपना नसीब सौंपे। जिन्हें इंतकाम लेना था, ले लिया। जिन्होंने अहंकार में चूर होकर जितनी सरकार चलानी थी, चला ली, लेकिन बहुत कुछ खोना पड़ा हिमाचल को। पहली बार अस्थिरता के दामन में हिमाचल का लोकतांत्रिक विश्वास चकनाचूर हो रहा है। यह वह प्रदेश है जो तीसरी शक्ति को हमेशा पटकनी देता रहा ताकि कांग्रेस बनाम भाजपा के बीच सियासी तासीर सुदृढ़ हो, लेकिन यहां तो यह भ्रम भी टूट गया।

नेता जी की कोठी में मदनोत्सव

वैसे तो नेता जी की कोठी में उत्सव होना कोई नई बात नहीं है। इधर चुनावों का बिगुल बजता है, उधर नेता जी के घर उत्सव शुरू हो जाता है। दारू की पेटियां पहुंचने लगती हैं। शौकीनों की बहार आ जाती है। दो घूंट अंदर जाते ही 'जिंदाबाद-जिंदाबाद' के नारों से पूरी कोठी गुंजायमान हो जाती है। नेताजी के चुनाव जीतने के बाद तो उत्सव लगातार कई दिन चलता है। पूरी कोठी रंगीन लाइटों से जगमग करने लगती है। बधाई देने के लिए जब थोड़ा रुतबे वाले लोग आते हैं तो जाहिर है कि दारू के ब्रांड भी सुपीरियर हो जाते हैं। अब सडक़ छाप समर्थकों की बजाय धन्ना सेठों और ब्यूरोक्रेट्स की गाडियां नेताजी की कोठी की शोभा बढ़ाने लगती हैं। नेताजी जब अपने राजयोग को और मजबूत करने के लिए मंगल, केतु, राहु और शनि जैसे ग्रहों को साध लेते हैं और बिल्ली के भाग्य से छींका फूटने की तजऱ्पर जब उन्हें झंडी वाली गाड़ी मिल जाती है तो फिर उत्सवों का सिलसिला स्थायी रूप धारण कर लेता है। उनके घर जाती रोड वीआईपी रोड में तब्दील हो जाती है। पायलट गाड़ी नेताजी के आगे पीछे लग जाती है। उनकी पांचों उंगलियां घी में और सिर कड़ाही में हो जाता है।

यानी उत्सवों का नशा सिर चढक़र बोलने लगता है। नेताजी का रोम-रोम उत्सवमय हो जाता है। उत्सवों की अंतहीन श्रृंखला में पहली मर्तबा नेताजी की कोठी पर मदनोत्सव का आयोजन हुआ। अफसर और अफसरनियां तो गुलाल लेकर आए ही, नेताजी की कई चेलियां भी वहां खिलखिलाती हुई नमूदार हो गईं। उनके चेहरे रंग से इतने पुते हुए थे कि यह पता लगाना मुश्किल था कि उनमें शीला कौन है, लीला कौन है और बसंती कौन'! नेताजी एक संत की तरह विनम्रता की प्रतिमूर्ति बने अपने चेहरे पर रंग लगवाए जा रहे थे और बीच-बीच में किसी-किसी से कनखियों में बतियाये भी जा रहे थे। उनके चेहरे की रंगत और आंखों का नूर देखते ही बनता था। वे अच्छे खासे सिद्ध पुरुष मालूम पड़ रहे थे। मदनोत्सव के लिए नेता जी ने क्या क्या प्लानिंग कर रखी है, यह जानने की उत्सुकता खाकसर के भीतर कुलांचे भर रही थी। जेहन में लगातार नए नए आइडिया दस्तक दे रहे थे। एक आइडिया ने दिमाग में ऐसी सरगोशी की कि खाकसार भी पैंट, कोट, हैट और काला चश्मा लगाकर किसी सुपर हीरो की तरह मस्ती से डग भरते और सिक्योरिटी गार्डों का सलाम कबूलते हुए भीतर पहुंचने में कामयाब हो गया। फिर किसी मंझे हुए एंकर की तरह अपने मोबाइल से नेताजी की कोठी में चल रहे मदनोत्सव का नजारा लाइव दिखाना शुरू कर दिया। अब लोग लाइव देख रहे हैं 'और क्या देख रहे हैं कि' नेताजी को रंग लगाने दूसरे दलों के नेता भी आए हैं। जिनके खिलाफ नेताजी आए रोज बयानों के गोले छोड़ते हैं, वे भी नेताजी की बगल में विराजमान हैं।

एक-दूसरे को कोहनियां मार रहे हैं। एक दूसरे के कान में फुसफुसा रहे हैं। स्माइल पर स्माइल दे रहे हैं। ऐसे लग रहा है जैसे दोनों विरोधी नहीं बल्कि एक ही थैली के चट्टे बट्टे हों। राजनीति में पार्टनर हों। एक दूसरे के कारनामों के राजदार हों। लोग लाइव देख रहे हैं' कि नेताजी भीतर से पुरानी ढोलकी उठा लाए हैं और ढोलकी पर थाप देते हुए नृत्य की मुद्रा में आ गए हैं। उनके समर्थक 'जय हो' का नारा लगा रहे हैं और नेताजी ठुमक ठुमक कर होली के रंग हवा में बिखेर रहे हैं। उनकी भाव भंगिमाएं सभी को चकित कर रही हैं। नेताजी लीडर होने के साथ-साथ अच्छे खासे नर्तक भी हैं, ऐसा दृश्य पहली बार लोग देख रहे हैं। लोग तालियां बजा रहे हैं। एक अति उत्साही समर्थक ने डीजे बजाना भी शुरू कर दिया है। मदनोत्सव अपने शबाब पर है। खाकसार ने भी लाइव कवरेज बीच में छोडक़र नेताजी की एक चेली के साथ नाचना शुरू कर दिया है'।

गुरमीत बेदी

राय

हिमालय में जलवायु परिवर्तन व पर्यावरणमित्र विकास

लोकसभा के चुनाव सिर पर हैं। राजनीतिक दल अपनी-अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार मतदाताओं से वादे कर रहे हैं, किंतु ज्यादातर वादे लोकलुभावन किस्म के ही होते हैं जिनमें दीर्घकालीन जनहित का अभाव देखने को मिलता है। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में विशेषकर हिमालय और आम तौर पर पूरा देश ही संकटग्रस्त होने की स्थिति में आ गया है। बाढ़, सूखा, असमय बारिश, बर्फ बारी का कम होते जाना, ग्लेशियरों का तेज गति से पिघलना जैसे लक्षण तेज गति से फैलते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप कई किस्म की प्राकृतिक आपदाओं से सामना करना पड़ रहा है। बाढ़-सूखा के अतिरिक्त हिमालय में भूस्खलनों से जनधन की भारी तबाही हो रही है। गत बरसात में हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर भारी तबाही के शिकार हुए हैं। ढांचागत विकास कार्यों में हिमालय की नाजुक पारिस्थिकी के अनुरूप वैकल्पिक विकास नीति और मॉडल के अभाव में प्राकृतिक प्रकोप की घटनाएं बढ़ भी रही हैं और उनसे होने वाली हानि की मात्रा भी बढ़ रही है। ये जो जलवायु परिवर्तन से होने वाली हानियां हैं, ये खुद बीमारी नहीं बल्कि बीमारी के लक्षण हैं।

असल बीमारी तो जलवायु परिवर्तन को प्रेरित करने और बढ़ाने वाले काम हैं, जिनमें मुख्य रूप से ऊर्जा के लिए बढ़ती मांग और ऊर्जा उत्पादन के 'हरित प्रभाव' गैसों का उत्सर्जन करने वाले तरीके हैं। बहुत से औद्योगिक अपशिष्ट भी इस समस्या को बढ़ाने का काम करते हैं। हमारे देश में इस समय कुल बिजली उत्पादन क्षमता 428 गीगावाट है, जिसमें से 71 फीसदी बिजली ताप बिजलीघरों द्वारा बनाई जा रही है, जिनमें टरबाइन चलाने के लिए भाप बनाने के लिए पत्थर के कोयले का प्रयोग किया जाता है। कुछ संयंत्र डीजल और प्राकृतिक गैस से भी चलते हैं। इनसे बहुत हानिकारक 'हरित प्रभाव' पैदा करने वाली गैसों का उत्सर्जन होता है, जिससे वैश्विक तापमान में वृद्धि होती है। यही तापमान में वृद्धि जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारक है। वातावरण में हरित प्रभाव पैदा करने वाली कार्बन डाईआक्साइड आदि गैसों का उत्सर्जन करने वाली सभी गतिविधियां जलवायु परिवर्तन में कारक की भूमिका निभाती हैं।

फिर चाहे जंगलों में लग रही या लगाई जा रही आग हो या गली मुहल्ले में जगह जगह जलाया जा रहा प्लास्टिक कचरा हो, हमारी पृथ्वी के जलवायु में बदलाव के गुनाहगार बन जाते हैं। लेकिन मुख्य गुनाहगार तो ताप बिजली ही है। इसलिए जरूरी है कि ताप बिजली उत्पादन की जगह नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाया जाए और बिजली पर निर्भरता को कम करने के उपाय किए जाएं। बिजली पर निर्भरता कम करने के लिए हमें पारंपरिक ऊर्जा साधनों को भी उपयोग में लाना चाहिए। मानव ऊर्जा, पशु शक्ति का उपयोग भी बढ़ाया जाना चाहिए। कृषि क्षेत्र में बैलों से कृषि पर सब्सिडी दी जाए और छोटे पॉवर टिलर पर सब्सिडी कम की जाए तो बैलों से कृषि को प्रोत्साहित किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त बैल चालित कृषि उपकरणों के निर्माण से बैलों से कृषि को सुगम बनाने पर काम होना चाहिए। 2016 में पैरिस एग्रीमेंट के अंतर्गत देशों ने स्वघोषित उत्सर्जन कटौती के वादे किए थे, जिसमें भारत ने 2030 तक 50 प्रतिशत बिजली उत्पादन नवीकरणीय ऊर्जा से करने का वादा किया था।

गहन विचार

बड़ा भंगाल : चुनौतियां अपार, आकर्षण बरकरार

हिमाचल सरकार गर्मियों के सीजन में यदि चार महीनों के लिए ही सही, ऑनलाइन बुकिंग द्वारा हेलीकाप्टर सेवा और बड़ा भंगाल में पर्यटकों के रहने-खाने की व्यवस्था एक पैकेज के तहत व्यवस्थित तरीके से करे, तो निश्चित तौर पर बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आना और ठहरना चाहेंगे, जिससे न केवल बड़ा भंगाल क्षेत्र में पर्यटक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, अपितु राज्य की आर्थिकी को भी मजबूती मिलेगी। क्षेत्र की समस्याओं का समाधान जल्द हो

पहाड़ों की ऊंचाइयों को फतह कर चोटी पर पहुंचने की चाहत हमेशा से मनुष्य को कुछ अद्भुत कर गुजरने के लिए प्रोत्साहित करती रही है। इसलिए संसाधनों के अभाव के बावजूद विश्व के दुर्गम इलाकों तक भी मनुष्य ने अपने जोश और जुनून के चलते पहुंच बनाई है। चाहे वह एवरेस्ट पर्वत हो अथवा उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों की खोज, कुछ हटकर करने की चाहत के चलते ही हजारों लोगों ने अपने नाम गिनीज बुक ऑफ वल्र्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज करवाने में सफलताएं हासिल की हैं। आज भी भारत और हिमाचल सहित अनेक राज्यों में ऐसे दर्शनीय स्थल हैं जहां पहुंचना अभी भी असंभव समझा जाता है। हिमाचल प्रदेश में एक ऐसा ही रमणीय अनछुआ और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर बैजनाथ उपमंडल का बड़ा भंगाल क्षेत्र है जहां सडक़ सुविधा न होने के कारण पहुंचना किसी चुनौती से कम नहीं माना जाता है। हिमालय की धौलाधार श्रृंखला में समुद्र तल से 2550 मीटर की ऊंचाई पर स्थित बड़ा भंगाल एक सुंदर घाटी है।

यह घाटी विशाल पहाड़ों से घिरी हुई है और बर्फ से ढकी चोटियों, हरे-भरे घास के मैदानों और चमचमाती नदियों के मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करती है। 169 घरों और 620 के लगभग आबादी वाले बड़ा भंगाल गांव में लोग लगभग 7 महीने ही रहते हैं और जब बर्फ पड़ती है तो अधिकांश लोग बीड़ बिल्लिंग में आ जाते हैं जहां उनके घर हैं अथवा वे किराए के घरों में रहते हैं। इसी प्रकार वहां का स्कूल और पढऩे वाले बच्चे भी बीड़ स्थित स्कूल में स्थानांतरित हो जाते हैं। यहां पहुंचने के लिए बेहद दुर्गम, ढांकयुक्त खतरनाक दर्रों और पहाड़ों से होकर पहुंचना होता है। ढांकें इतनी खतरनाक कि एक बार पैर फिसला तो फिर बचाने वाला कोई नहीं। रोजगार के नाम पर जंगल से लकडियां चुनना, पशुपालन और भेड़-बकरियां पालना यहां के लोगों की मुख्य गतिविधियां हैं। दुर्गम इलाके में होने की वजह से और सडक़ मार्ग न होने के कारण इस गांव का भारत के शेष क्षेत्रों से संपर्क कटा रहता है। लोगों की आवाजाही बहुत कम है, सर्दियों में केवल बुजुर्ग लोग ही वहां घरों और पशुधन की देखभाल के लिए रह जाते हैं, जिनके समक्ष भयानक सर्दी जनित समस्याएं बरकरार रहती हैं। बड़ा भंगाल में एक आयुर्वेदिक डिस्पेंसरी, पशु औषधालय, स्कूल, पीडब्ल्यूडी, आईपीएच और इलेक्ट्रिसिटी विभाग के कार्यालय तो हैं, लेकिन वहां कर्मचारियों की कमी खलती है। साईं फाउंडेशन ने वर्ष 2003-04 में 40 किलोवाट का एक हाइडल इलेक्ट्रिसिटी प्रोजेक्ट बड़ा भंगाल में लगाया था, लेकिन बाद में रखरखाव के अभाव के कारण वह बंद पड़ा है।

बड़ा भंगाल के लोगों की 9 मांगें हैं जिनमें मुख्यत: सडक़ निर्माण, बिजली घर को ठीक करना, सामाजिक पेंशनधारकों को पेंशन राशि का समयबद्ध वितरण, जिनके बैंक अकाउंट बीड़ में हैं, लेकिन वह पिछले 4 सालों से अस्वस्थ होने की वजह से नहीं जा पा रहे हैं, को हेली सुविधा उपलब्ध करवाना शामिल हैं। बर्फ के दिनों में क्योंकि दो-ढाई सौ लोग ही गांव में रहते हैं, बीमार लोगों को मौके पर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचे, इसके लिए हेली सर्विस की मांग भी प्रमुख है। बड़ा भंगाल गांव में जो हेलिपैड है, उसे मरम्मत की दरकार है ताकि हेलिकॉप्टर की सुरक्षित लैंडिंग हो सके। जब बात पहाड़ों पर चढऩे की और वादियों को निहारने की और ट्रैकिंग की आती है, तो शायद हिमाचल से बढिया एडवेंचर डेस्टिनेशन कोई दूसरा नहीं हो सकता है। उसमें भी बड़ा भंगाल एक ऐसा क्षेत्र है जिसे अनछुआ और चुनौतीपूर्ण समझते हुए साहसिक गतिविधियों में रुचि रखने वाले लोग ही वहां पहुंचना पसंद करते हैं। प्रतिवर्ष 200-300 ट्रैकर्स कुल्लू की काली हाणिए होली (चंबा) के रास्ते से और मुल्थान वाया थामसर जोत, बड़ा भंगाल पहुंचते हैं। एडवेंचर और ट्रैकिंग में रुचि रखने वाले लोग यहां आते रहते हैं जिनमें विदेशियों की काफी संख्या रहती है। अधिकांश टूरिस्ट और ट्रैकर्स अपने गाइड के साथ ही आते हैं। बड़ा भंगाल गांव की साक्षरता दर कम है। मनोरंजन के कोई साधन नहीं हैं। यहां के अधिसंख्य लोग ठाकुर राजपूत जातियों के हैं जिन्हें सरकार ने ओबीसी कैटेगरी में रखा है, लेकिन इनकी मांग है कि इन्हें अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिया जाए।

बड़ा भंगाल का इलाका वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरी के अंतर्गत आता है। इसलिए रास्तों एवं अन्य निर्माण कार्यों हेतु वन विभाग की स्वीकृति की आवश्यकता रहती है। इस प्रक्रिया को सरकार को आसान बनाना चाहिए। जिलाधीश कांगड़ा ने होली-चंबा के रास्ते जाने वाली पैदल पथ की मरम्मत के लिए 5 लाख और सोलर लाइट्स के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा की थी। यह प्रसन्नता का विषय है कि इन्वर्टर और अन्य सामग्री घोड़े-खच्चरों द्वारा बड़ा भंगाल पहुंचाई जा चुकी है, जबकि हेलीकॉप्टर के माध्यम से सोलर पैनल भी पहुंचाए जा चुके हैं। हिम ऊर्जा विभाग (हिमाचल प्रदेश) द्वारा 61 लाख रुपए की लागत से 169 सोलर लाइट्स किट्स लगाई जा चुकी हैं। खुशी की बात है कि पिछली सर्दियों से पहले पहले बड़ा भंगाल के सभी 169 घरों में सोलर लाइट्स से घर रोशन हो चुके थे। सेक्रेटरी पीडब्ल्यूडी ने सडक़ निकालने और बंद पड़े सडक़ मार्ग के निर्माण कार्य को आगे बढ़ाने के आदेश दिए हैं। हिमाचल सरकार गर्मियों के सीजन में यदि चार महीनों के लिए ही सही ऑनलाइन बुकिंग द्वारा हेलीकाप्टर सेवा और बड़ा भंगाल में पर्यटकों के रहने-खाने की व्यवस्था एक पैकेज के तहत व्यवस्थित तरीके से करे तो निश्चित तौर पर बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आना और ठहरना चाहेंगे, जिससे न केवल बड़ा भंगाल क्षेत्र में पर्यटक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, अपितु राज्य की आर्थिकी को भी मजबूती मिलेगी। इस क्षेत्र की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से होना चाहिए।

अनुज आचार्य

बड़ी कंपनियों के खिलाफ GST जांच के लिए पहले लेनी होगी मंजूरी

परिवहन विशेष न्यूज

अब जीएसटी के क्षेत्रीय अधिकारी किसी भी बड़े औद्योगिक घराने या प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनी के खिलाफ सीधे जांच नहीं शुरू कर पाएंगे। अगर कोई गड़बड़ी और जांच की जरूरत नजर आती है तो उन्हें पहले अपने क्षेत्रीय प्रधान मुख्य आयुक्त से मंजूरी लेनी होगी। यह मंजूरी उन्हें पहली बार वस्तुओं/सेवाओं पर शुल्क लगाने के लिए भी लेनी पड़ेगी। आइए जानते हैं कि यह नियम क्यों बनाया गया है।

नई दिल्ली। जीएसटी के क्षेत्रीय अधिकारियों को अब किसी भी बड़े औद्योगिक घराने या प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनी के खिलाफ जांच शुरू करने से पहले अपने क्षेत्रीय प्रधान मुख्य आयुक्त से मंजूरी लेनी होगी। यह मंजूरी उन्हें पहली बार वस्तुओं/सेवाओं पर शुल्क लगाने के लिए भी लेनी पड़ेगी। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) अधिकारियों के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं।

जांच से पहले मंजूरी लेने का नियम क्यों?

सीबीआईसी के दिशानिर्देशों के अनुसार, जब एक करदाता की जांच राज्य जीएसटी और डीजीजीआई अधिकारी कर रहे हैं, तो प्रधान आयुक्त इस संभावना पर विचार करेंगे कि करदाता के संबंध में सभी मामलों को एक कार्यालय द्वारा आगे बढ़ाया जाए। दिशानिर्देशों में कर अधिकारियों के लिए जांच शुरू होने के एक साल के भीतर जांच पूरी करने की समय सीमा भी तय की गई है।

सीबीआईसी ने आगे कहा कि किसी सूचीबद्ध कंपनी या पीएसयू के संबंध में जांच शुरू करने या उनसे विवरण मांगने के लिए सीजीएसटी अधिकारियों को इकाई के नामित अधिकारी को समन भेजने के बजाय आधिकारिक पत्र जारी करना चाहिए। बोर्ड ने कहा कि इस पत्र में जांच के कारणों का विवरण देना चाहिए और उचित समयावधि में दस्तावेजों को प्रस्तुत करने की मांग करनी चाहिए।

उपलब्ध जानकारी ना मांगने की नसीहत

सीबीआईसी के दिशानिर्देशों में यह भी कहा गया है कि कर अधिकारियों को करदाता से वह जानकारी नहीं मांगनी चाहिए, जो जीएसटी पोर्टल पर पहले से ही ऑनलाइन उपलब्ध है। दिशानिर्देशों में यह भी कहा गया है कि प्रत्येक जांच प्रधान आयुक्त की मंजूरी के बाद ही शुरू की जानी चाहिए।

हालांकि, चार श्रेणियों में जांच शुरू करने और कार्रवाई करने के लिए क्षेत्रीय प्रधान मुख्य आयुक्त की लिखित में पूर्व मंजूरी की जरूरत होगी। इन चार श्रेणियों में किसी भी क्षेत्र/वस्तु/सेवा पर पहली बार कर/शुल्क लगाने की मांग करने वाली व्याख्या के मामले शामिल हैं।

इसके अलावा बड़े औद्योगिक घराने और प्रमुख बहुराष्ट्रीय निगम से जुड़े मामले, संवेदनशील मामले या राष्ट्रीय महत्व के मामले और ऐसे मामले जो पहले से ही जीएसटी परिषद के समक्ष हैं, इसमें शामिल हैं।

सरकार को FY24 में मिला अनुमान से 26% ज्यादा 63,000 करोड़ रुपये का लाभांश

वित्तवर्ष 2022-23 में सरकार को अपनी कंपनियों से 59952.84 करोड़ रुपये लाभांश (Dividend) के तौर पर मिले थे। कंपनियों द्वारा दिया जाने वाला अधिक लाभांश उनके मजबूत वित्तीय प्रदर्शन की बानगी है। केंद्र सरकार की कंपनियों द्वारा लाभांश दिए जाने से खुदरा और संस्थागत शेयरधारकों को भी लाभ होगा और पीएसयू शेयरों को खरीदने में उनकी रुचि पैदा होगी।

नईदिल्ली। केंद्र सरकार को अपनी कंपनियों से मिलने वाला डिविडेंड चालू वित्तवर्ष में 63 हजार करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है। केंद्र को अपनी कंपनियों से मिलने वाला डिविडेंड बजट अनुमान से 26 प्रतिशत से अधिक है। कोल इंडिया, ओएनजीसी, पावरग्रिड और गेल जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ने चालू वित्त वर्ष में अच्छा लाभांश दिया है।

एक फरवरी को संसद में पेश किए बजट के संशोधित अनुमान में चालू वित्त वर्ष के लिए केंद्र सरकार की कंपनियों से मिलने वाली डिविडेंड प्राप्ति 50 हजार करोड़ रुपये आंकी गई थी।

62,929.27 करोड़ रुपये रहा डिविडेंड संग्रह

निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) की वेबसाइट के अनुसार, 31 मार्च, 2024 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष 2023-24 में वास्तविक डिविडेंड संग्रह लगभग 26 प्रतिशत अधिक 62,929.27 करोड़ रुपये रहा है। मार्च में सरकार को ओएनजीसी से 2,964 करोड़ रुपये, कोल इंडिया से 2,043 करोड़ रुपये, पावरग्रिड कारपोरेशन आफ इंडिया से 2,149 करोड़ रुपये, एनएमडीसी से 1,024 करोड़ रुपये, एचएएल से 1,054 करोड़ रुपये और गेल से 1,863 करोड़ रुपये डिविडेंड के तौर पर मिले हैं।

नए वित्त वर्ष के पहले हफ्ते में कैसा रहेगा शेयर बाजार का माहौल, किन चीजों पर रहेगी निवेशकों की नजर?

वित्त वर्ष 2024-25 के पहले हफ्ते में कुछ महत्वपूर्ण एलान होने वाले हैं जिनका शेयर बाजार की चाल पर असर पड़ सकता है। इनमें सबसे अहम है पॉलिसी रेट के बारे में आरबीआई का फैसला। साथ ही गाड़ियों की बिक्री और परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (PMI) जैसे डेटा भी आने वाले हैं। आइए जानते हैं कि इनका मार्केट पर क्या असर होगा?

नई दिल्ली। पिछले हफ्ते होली और गुड फ्राइडे की छुट्टी के चलते शेयर बाजार दो दिन बंद रहा और सिर्फ तीन दिन कारोबार हुआ। इस दौरान BSE सेंसेक्स 819.41 अंक यानी 1.12 प्रतिशत बढ़ा। वहीं, NSE का निफ्टी में 230.15 अंक यानी 1.04 प्रतिशत का उछाल दिखा।

हालांकि, इस हफ्ते की बात करें, तो कई महत्वपूर्ण एलान होने वाले हैं, जो बाजार की चाल को प्रभावित कर सकते हैं। इनमें सबसे अहम है ब्याज दर के बारे में आरबीआई का फैसला। साथ ही गाड़ियों की बिक्री और परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (PMI) जैसे डेटा भी आने वाले हैं।

वित्तवर्ष 2023-24 में कितना बढ़ा बाजार?

एक्सपर्ट का मानना है कि वित्त वर्ष 2023-24 में शेयर बाजार में जो तेजी रही, वह नए फाइनेंशियल ईयर में भी बरकरार रहेगी। हालांकि, पहले हफ्ते में विदेशी निवेशकों की गतिविधियां, रुपया-डॉलर का रुख और क्रूड ऑयल का भाव मार्केट के मिजाज को प्रभावित करेगा।

आज यानी 31 मार्च को खत्म हो रहे वित्त वर्ष में तीस शेयरों वाला BSE सेंसेक्स 14,659.83 अंक यानी 24.85 प्रतिशत की बढ़त में रहा। 7 मार्च को यह 74,245.17 अंक तक पहुंच गया था, जो इसका उच्चतम स्तर है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी की बात करें, तो वह भी वित्त वर्ष के दौरान का 4,967.15 अंक यानी 28.61 प्रतिशत मजबूत हुआ।

एक्सपर्ट का क्या कहना है?

स्वास्तिक इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौर ने कहा, 'आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (MSP) की मीटिंग तीन अप्रैल से शुरू होगी। इसमें नीतिगत दर और अर्थव्यवस्था पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

जोमैटो को गुजरात के बाद कर्नाटक से भी मिला टैक्स डिमांड का नोटिस, जानें क्या है पूरा मामला

ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो को कर्नाटक से 23.26 करोड़ रुपये का टैक्स नोटिस मिला था। इससे पहले कंपनी को गुजरात से भी टैक्स डिमांड का नोटिस मिला था। जोमैटो ने इन टैक्स नोटिस के खिलाफ अपील करने की बात कही है। आइए जानते हैं कि जोमैटो को टैक्स डिमांड के नोटिस क्यों मिल रहे हैं और इसका उसके शेयरों पर क्या असर हो सकता है।

नई दिल्ली। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो को कर्नाटक के असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ कॉमर्शियल टैक्सेज (ऑडिट) से 23.26 करोड़ रुपये की टैक्स डिमांड का नोटिस मिला है। इसमें ब्याज और जुर्माने की रकम भी शामिल है। जोमैटो ने इस आदेश के खिलाफ उचित अथॉरिटी के सामने अपील करने की बात कही है।

जोमैटो ने BSE को रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि उससे यह टैक्स डिमांड वित्त वर्ष 2018-19 के लिए की गई है, जो जीएसटी रिटर्न और खातों के ऑडिट से जुड़ी है। इसमें 11,27,23,564 रुपये की जीएसटी मांगी गई है। ब्याज और जुर्माने के साथ यह रकम 23,26,64,271 रुपये हो जाती है।

जोमैटो ने कहा कि इस मामले में हमारा पक्ष मजबूत है और हम इस आदेश के खिलाफ अपील करेंगे।

गुजरात सरकार से भी मिला था ऐसा नोटिस

जोमैटो ने करीब एक पखवाड़े पहले की एक अन्य रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया था कि उसे गुजरात में जीएसटी डिपार्टमेंट से पेनल्टी नोटिस मिला है। इसमें 8 करोड़ रुपये से ज्यादा की टैक्स डिमांड की गई थी। वह नोटिस भी जोमैटो को वित्त वर्ष 2018-19 के लिए मिला था।

जीएसटी डिपार्टमेंट ने रिटर्न और अकाउंट का ऑडिट करने के बाद कंपनी को ये नोटिस भेजा था। उससे पहले जोमैटो को

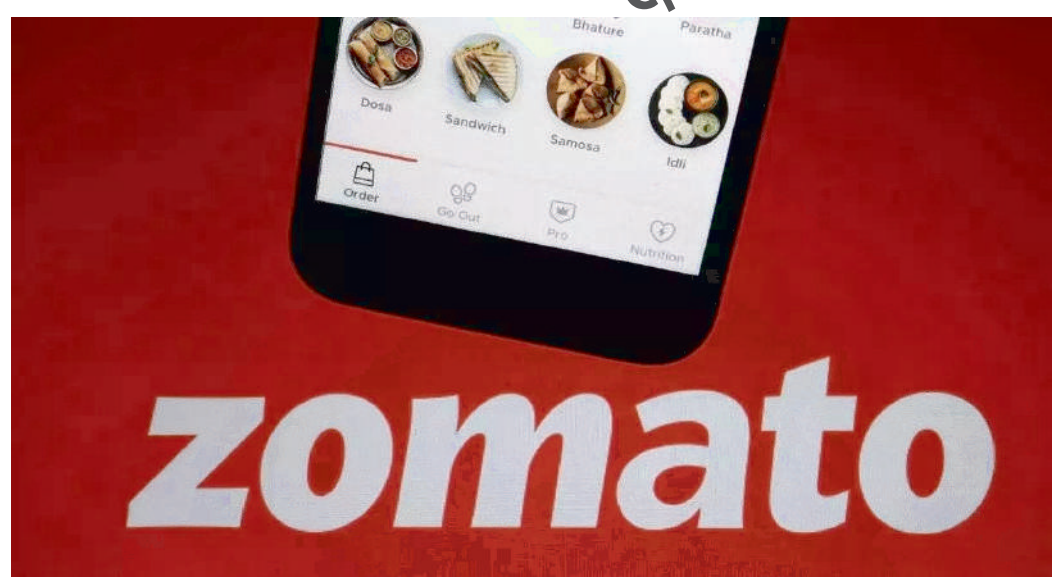

कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। जोमैटो ने नोटिस का जवाब भी दिया था। कंपनी ने कहा कि उसने हर मुद्दे को स्पष्ट करने की कोशिश की थी, लेकिन शायद जीएसटी डिपार्टमेंट ने ऑर्डर पास करते समय उसके जवाब पर पूरी तरह गौर नहीं किया।

जोमैटो के शेयरों का क्या हाल है?

जोमैटो के शेयरों (zomato share price) ने आईपीओ के बाद से निवेशकों को काफी तगड़ रिटर्न दिया है। आखिरी कारोबारी सत्र में यह डेढ़ प्रतिशत बढ़कर 182.15 रुपये बंद हुआ। इसने पिछले 6 महीने में 76 और एक साल में 250 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

पॉलिसी रेट पर आने वाला है RBI का फैसला, आपकी EMI बढ़ेगी या घटेगी, जानें क्या कह रहे एक्सपर्ट

RBI के गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी (MPC) की तीन दिवसीय मीटिंग तीन अप्रैल से शुरू होगी। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली मौद्रिक नीति समीक्षा का एलान पांच अप्रैल को होगा। केंद्रीय बैंक ने पिछली बार फरवरी 2023 में रेपो रेट को बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत किया था। आइए जानते हैं कि इस बार की MPC के बारे में एक्सपर्ट क्या अनुमान लगा रहे हैं।

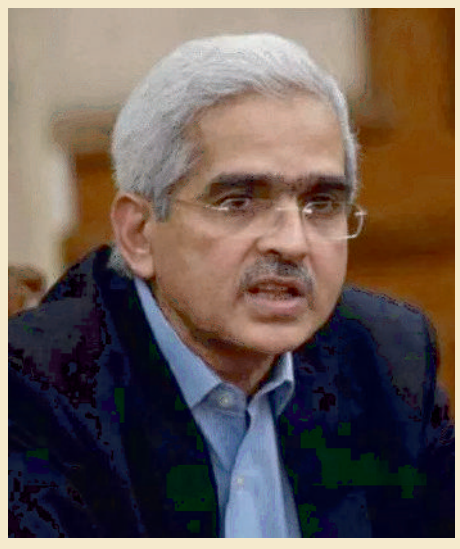

नई दिल्ली। आर्थिक नजरिए से आने वाले हफ्ता काफी अहम रहने वाला है। इसमें रिजर्व बैंक (RBI) मौद्रिक नीति की समीक्षा करेगा। हालांकि, जानकारों का मानना है कि केंद्रीय बैंक एक बार फिर जस के तस रख सकता है।

दरअसल, इकोनॉमिक ग्रोथ को लेकर चिंताएं कम हुई हैं। दुनियाभर की तमाम ग्लोबल रेटिंग एजेंसियों ने इसके 8 फीसदी के करीब रहने का अनुमान जताया है। ऐसे में RBI का फोकस महंगाई को चार फीसदी के लक्ष्य पर लाने पर हो सकता है, जो फिलहाल 5 फीसदी के आसपास है।

दूसरे केंद्रीय बैंकों के नक्शेकदम पर चलेगा RBI?

पिछले कुछ समय में अमेरिका और जापान जैसे विकसित देशों के केंद्रीय बैंकों ने नीतिगत दर की समीक्षा की, लेकिन उसमें कोई बदलाव नहीं किया। वह फिलहाल 'देखो और इंतजार करो' वाले फलसफे पर चल रहे हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने भी हाल में कहा कि केंद्रीय बैंक फिलहाल ब्याज दरों में कटौती को लेकर किसी तरह की जल्दबाजी में नहीं है। वह महंगाई के आंकड़े अपने मनमुताबिक होने तक इंतजार कर सकता है।

विकसित देशों में स्विट्जरलैंड पहली बड़ी इकोनॉमी है, जिसने पॉलिसी रेट कट किया है। दुनिया की चौथी बड़ी इकोनॉमी जापान भी आठ साल बाद निगेटिव ब्याज दर खत्म करके एक सांकेतिक ऐतिहासिक बदलाव किया है।

कब होगी मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग?

RBI के गवर्नर की अध्यक्षता में मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी (MPC) की तीन दिवसीय मीटिंग तीन अप्रैल से शुरू होगी। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली मौद्रिक नीति समीक्षा का एलान पांच अप्रैल को होगा। केंद्रीय बैंक ने पिछली बार फरवरी 2023 में रेपो रेट को बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत किया था। उस बाद से लगातार छह द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में यह जस की तस रखी गई है।

बैंक ऑफ बड़ौदा के चीफ इकोनॉमिस्ट मदन सबनवीस ने कहा, 'मुद्रास्फीति (inflation) अभी भी पांच प्रतिशत के दायरे में है। खाद्य मुद्रास्फीति के मोर्चे पर आगे चलकर झटका लगने की आशंका है। ऐसे में हो सकता है कि केंद्रीय बैंक इस बार भी पॉलिसी रेट में कोई बदलाव ना करे और उसे जस का तस बनाए रखे।'

घट रही है नियमित वेतन पाने वालों की मासिक कमाई, 12 वर्षों में 12,100 से घटकर 10,925 रुपये रह गई आय

अंतरराष्ट्रीय संगठन (आईएलओ) और मानव विकास संस्थान (आईएचडी) की नई रिपोर्ट 'इंडिया एम्प्लॉयमेंट रिपोर्ट 2024' के अनुसार भारत में नियमित वेतन पाने वालों और स्व-रोजगार में लगे लोगों की वास्तविक कमाई में पिछले एक दशक के दौरान गिरावट आई है। सरकारी आंकड़ों पर आधारित इस रिपोर्ट में वास्तविक कमाई का आकलन महंगाई (मुद्रास्फीति) के आधार पर किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार साल दर साल नियमित कर्मचारियों के औसत मासिक वास्तविक कमाई में लगातार गिरावट आई है। 2012 में नियमित कर्मचारियों की औसत मासिक कमाई 12,100 रुपये थी। अब यह सालाना 1.2 फीसदी की गिरावट के साथ 2019 में घटकर 11,155 रुपये प्रतिमाह हो गई। 2022 में यह 0.7 फीसदी की गिरावट के साथ 10,925 रुपये मासिक रह गया। आकस्मिक श्रमिकों की कमाई में बढ़ोतरी दर्ज की गई : रिपोर्ट के अनुसार आकस्मिक श्रमिकों के मामले में उलट स्थिति सामने आई है। यानी पिछले दशक के दौरान उनकी वास्तविक कमाई में वृद्धि दर्ज की गई है। 2012 में इनकी औसत मासिक वास्तविक आय 3,701 रुपये थी जो सालाना 2.4 फीसदी की वृद्धि के साथ 2019 में बढ़कर 4,364 रुपये तथा 2022 में 4712 रुपये हो गई प्रतिमाह हो गई। नियमित कर्मचारियों और स्वरोजगार से संबद्ध लोगों की घटती कमाई के साथ ही आकस्मिक श्रमिकों की आय में हुई बढ़ोतरी का अर्थ यह है कि 2000 से 2022 के बीच पैदा हुई नौकरियों की गुणवत्ता पैमाने पर खरी नहीं थी।

खेती-बाड़ी से जुड़े मजदूरों को नहीं मिल रहा न्यूनतम मेहनताना : रिपोर्ट कहती है कि भारत में श्रमिकों को उनके कौशल के आधार पर न्यूनतम मेहनताना नहीं मिल है। श्रमिकों के एक बड़े हिस्से, विशेष रूप से आकस्मिक श्रमिकों को न्यूनतम वेतन का भुगतान नहीं किया जा रहा। राष्ट्रीय स्तर पर विशेष रूप से कृषि क्षेत्र में 40.8 फीसदी नियमित श्रमिकों और 51.9 फीसदी आकस्मिक श्रमिकों को उतना पारिश्रमिक नहीं मिल रहा जितना उस क्षेत्र में किसी अकुशल श्रमिक के लिए प्रतिदिन के लिहाज से कम से कम तय किया गया है।

टॉप 10 कंपनियों में से 7 का मार्केट कैप बढ़ा, रिलायंस को सबसे ज्यादा फायदा, जानिए किसे हुआ नुकसान

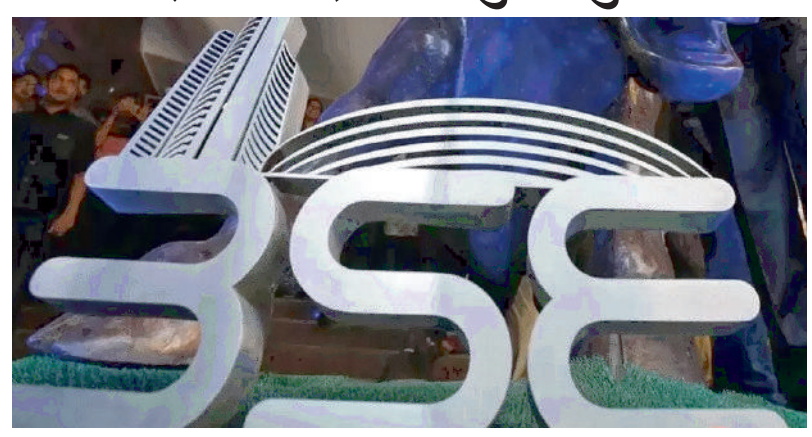

पिछले हफ्ते होली और गुड फ्राइडे की छुट्टी के चलते शेयर बाजार में सप्ताह में तीन दिन ही कारोबार हुआ। इस दौरान BSE सेंसेक्स 819.41 अंक यानी 1.12 प्रतिशत मजबूत हुआ। इसका सबसे अधिक फायदा मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। कंपनी का मार्केट कैप 45262.59 करोड़ रुपये बढ़कर 2014010.63 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आइए जानते हैं बाकियों कंपनियों का हाल।

नई दिल्ली। पिछले हफ्ते भारतीय शेयर बाजार अच्छी तेजी देखने को मिली। इसका असर देश की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से 7 के बाजार पूंजीकरण (Market capitalization) पर भी दिखा। इनके मार्केट कैप में कुल मिलाकर 67,259.99 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ।

किसे हुआ सबसे अधिक फायदा?

पिछले हफ्ते होली और गुड फ्राइडे की छुट्टी के चलते शेयर बाजार में सप्ताह में तीन दिन ही कारोबार हुआ। इस दौरान BSE सेंसेक्स 819.41 अंक यानी 1.12 प्रतिशत मजबूत हुआ।

इस दौरान अरबपति कारोबारी मुकेश अंबानी के मालिकाना हक वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज (RIL) सबसे अधिक फायदे में रही। इसका मार्केट कैप 45,262.59 करोड़ रुपये बढ़कर 20,14,010.63 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

वहीं, सरकारी बैंक SBI मार्केट कैप 5,533.26 करोड़ रुपये बढ़कर 6,71,666.29 करोड़ रुपये हो गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC), ICICI Bank, HDFC Bank, हिंदुस्तान यूनिलीवर और ITC के मार्केट कैप में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई।

किन कंपनियों को नुकसान हुआ?

पिछले हफ्ते टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) सबसे अधिक नुकसान में रही। इसका मार्केट कैप 10,691.45 करोड़ रुपये घटकर 14,05,102.38 करोड़ रुपये पर आ गया। वहीं, इंफोसिस के बाजार पूंजीकरण में 4,163.13 करोड़ रुपये की कमी आई। यह 6,22,117.38 करोड़ रुपये पर आ गया।

भारती एयरटेल को 3,817.18 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इसका मार्केट कैप 6,95,038.48 करोड़ रुपये रह गया।

'मुस्लिम लड़कियां और युवा भाजपा को देंगे वोट' सीएम हिमंता ने कांग्रेस-AIUDF पर ऐसे कसा तंज

परिवहन विशेष न्यूज

सीएम हिमंता सरमा ने कहा कि मैंने उनके समाज को सुधारने की कोशिश की है। मुस्लिम समुदाय के युवा मुझे बहुत समर्थन दे रहे हैं। उन्होंने मेरी बातों का स्वागत किया है, किसी ने आपत्ति नहीं जतायी है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने भरोसा जताया है कि इस लोकसभा चुनाव में मुस्लिम समुदाय की लड़कियां-महिलाएं और युवा भाजपा को वोट देंगे। उन्होंने कहा कि वे मुस्लिम समुदाय की महिलाओं और बच्चों के लिए राज्य में संघर्ष कर रहा हूं। मैं चाहता हूं कि बाल विवाह न हो और महिलाओं को संपत्ति का अधिकार मिले। इसलिए वे भाजपा को वोट करेंगे।

आगे बोलते हुए उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा सरकार में बिना रिश्वत दिए युवाओं को नौकरी मिली है। इसीलिए उनके राज्य के बेरोजगार युवा जिसमें मुस्लिम समुदाय के युवा भी शामिल हैं, वे भी उनकी पार्टी को वोट देंगे।

इस दौरान उन्होंने धुबरी लोकसभा सीट से वर्तमान सांसद बदरुद्दीन अजमल और कांग्रेस नेता कीबुल हुसैन पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि अगर संभव हो तो कांग्रेस और ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) दोनों के उम्मीदवार जीतें और असम के भविष्य के लिए दिल्ली जाएं।

गैंडे के अवैध शिकार में कांग्रेस नेता की कथित संलिप्तता की ओर इशारा करते हुए सीएम हिमंता ने कहा कि मैं रकीबुल हुसैन की जीत की उम्मीद कर रहा हूं। यदि वह दिल्ली जाते हैं, तो हमें काजीरंगा में इतनी बटालियन की जरूरत नहीं होगी। वहीं, अगर अजमल दिल्ली जाते हैं, तो हमारी कई मुस्लिम लड़कियों को कम उम्र में शादी नहीं करनी पड़ेगी।

सीएम हिमंता सरमा ने कहा कि मैंने उनके समाज को सुधारने की कोशिश की है। मुस्लिम समुदाय के युवा मुझे बहुत समर्थन दे रहे हैं। उन्होंने मेरी बातों का स्वागत किया है, किसी ने आपत्ति नहीं जतायी है। उन्होंने यह भी दावा किया कि विपक्षी कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता इस चुनाव अवधि के दौरान सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल होते रहेंगे। गौरतलब है कि रकीबुल हुसैन असम के पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के कार्यकाल के दौरान वन मंत्री थे। उन पर काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में गैंडों के अवैध शिकार का आरोप लगाया गया था। वहीं, एआईयूडीएफ प्रमुख और धुबरी के मौजूदा सांसद बदरुद्दीन अजमल ने हाल ही में बाल विवाह के खिलाफ कार्रवाई को लेकर सीएम सरमा पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि भाजपा मुसलमानों को भड़काने की कोशिश कर रही है और यदि वह दोबारा शादी करना चाहते हैं, तो कोई उन्हें नहीं रोक सकता क्योंकि उनका धर्म उन्हें ऐसा करने की अनुमति देता है।

आज लड़ाई सांस्कृतिक पुनर्संतुलन की है, पुराना किला में बोले विदेश मंत्री एस जयशंकर

एस जयशंकर पुराना किला में रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसी की अपनी विरासत, संस्कृति और विश्वास को पेश करना पारंपरिक राजनीति की तरह अंतरराष्ट्रीय संबंधों में भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि पारंपरिक राजनीति में। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार की दुनिया में सांस्कृतिक पुनर्संतुलन के महत्व को रेखांकित किया। वह पुराना किला में रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसी की अपनी विरासत, संस्कृति और विश्वास को पेश करना पारंपरिक राजनीति की तरह अंतरराष्ट्रीय संबंधों में भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि पारंपरिक राजनीति में।

बता दें कि इस कार्यक्रम में सरकार के 'अडॉप्ट ए हेरिटेज 2.0' के तहत पांच साल के लिए चार ऐतिहासिक स्मारकों - पुराना किला, हुमायूं का मकबरा, सफदरजंग मकबरा और महरौली पुरातत्व पार्क - के लिए गैर सरकारी संगठन या एनजीओ सभ्या फाउंडेशन को 'स्मारक सारथी' घोषित किया गया।

बंगलूरू में कंपनियां पब्लिक ट्रांसपोर्ट को दे रहीं बढ़ावा, वाहन में अकेले यात्रा पर लेती हैं शुल्क!

परिवहन विशेष न्यूज

मास ट्रांसपोर्ट (जन सार्वजनिक परिवहन) प्रणालियों को बढ़ावा देने के लिए, बंगलूरू की कंपनियां अपने कर्मचारियों को दफ्तर आने-जाने के लिए सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने पर फाइनेंशियल इंसेंटिव (वित्तीय प्रोत्साहन) दे रही हैं। वहीं दूसरी तरफ, यदि कर्मचारी एक व्यक्ति के लिए निजी वाहन का इस्तेमाल कर दफ्तर आते हैं, तो कंपनियां पार्किंग के लिए अतिरिक्त शुल्क भी ले रही हैं।

बंगलूरू अपने ट्रैफिक जाम के लिए कुख्यात है। और ऐसा लगता है कि शहर का आईटी उद्योग पहल करके और कार पूलिंग को बढ़ावा देकर सड़कों पर वाहनों की भीड़ को कम करने की कोशिश कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनियां शहर की कुख्यात ट्रैफिक समस्याओं से निपटने के लिए ₹स्थायी परिवहन समाधान₹ पर जोर दे रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस रिपोर्ट में नेट ऐप, मैशरेक बैंक, टीसीएस और इंफोसिस सहित बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी) के नाम शामिल हैं। जिन्होंने कर्मचारियों के प्रमुख परिणाम क्षेत्र/ की रिस्पॉन्सिबिलिटी एरिया (केआरए) का हिस्सा बना दिया है। कंपनियों ने ₹परिवहन लाभ₹ के रूप में कर्मचारी बेनिफिट प्रोग्राम शुरू कर दिए हैं। खासकर तकनीकी क्षेत्रों और जानेमाने जाम वाले रास्तों के लिए।

कुछ कंपनियां मेट्रो पास और शटल सर्विस के लिए रिइंबर्समेंट (प्रतिपूर्ति) भी दे रहे हैं। अन्य पहलों में कारपूलिंग व्यवस्था, पार्किंग के लिए मनचाही जगह, मासिक वजीफा जैसे कई प्रोत्साहन शामिल हैं।

कच्ची सड़क को आज तक नही किया गया पक्का, ग्रामीण परेशान

परिवहन विशेष न्यूज, नई दिल्ली। आजादी के 76 वर्ष बीत जाने के बाद भी मिट्टी की सड़क का पक्कीकरण नहीं होने से लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है। एन०एच० सातसौसताइस से नंदनगढ़ जाने वाली सड़क का पक्कीकरण नहीं होने से स्थानीय जनता मे भयानक आक्रोश है। बता दे की विभागीय अधिकारियों का ध्यान इस सड़क पर आज तक नहीं पड़ा जिससे आज भी लगभग दो किलोमीटर सड़क कच्ची है। जब बरसात होती है तो पूरा रास्ता कीचड़ मय हो जाता है और बरसात के दिनों में प्रायः यहां के रास्ते पूरी तरह से आवागमन के लिए बंद हो जाता है। इस सड़क के निर्माण हो जाने से नगर पंचायत लौरिया में जाम की समस्या का निजात भी हो जायेगा। ग्रामीण राजेश महतो मखन महतो, ललन, मदन, मोतीलाल, मनु, दशरथ, डोमा साह, देव महतो, गनी मियां, कमरल होदा आदि ने बताया की आजादी के इतने दिनों के बाद भी इस सड़क का पक्कीकरण नहीं होने से यह सड़क आज भी मुख्य सड़क से नहीं जुड़ पाई है । इस संबंध में जिला पदाधिकारी सहित सड़क निर्माण विभाग का ध्यान आकृष्ट कराते हुए ग्रामीणों ने इस सड़क को मुख्य सड़क से जोड़ने व पक्कीकरण करने की मांग की है।

सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट अलमासगुड़ा वडेर प्रांगण में डोयटण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ

हैदराबाद। करमनघाट सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट अलमासगुड़ा वडेर प्रांगण में दिनांक 30 अप्रैल शनिवार 2024 को श्री अशोक सुपुत्र श्री छोगाराम चोयल बिऐन रेड्डी नगर वालो के सुपौत्र के डोयटण कार्यक्रम सुबह 11:15 बजे को सपरिवार सहित पधारकर गाजे बाजे के साथ माताजी को भोग लगाया गया उसके बाद सीरवी समाज करमनघाट वडेर के गैर संचालक हिरालाल सैणचा एंव कैप्टन राकेश सोलंकी के नेतृत्व में गैर द्वारा सानदार नित्य पस्तुत किया गया और फागुन के गीत का आनंद आया गया सभी गैरीयो को डोयटण के परिवार द्वारा माला एंव गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया उपस्थित समाज के पदाधिकारी गणं एंव अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा सचिव पुखराज चोयल पूर्व अध्यक्ष हंसाराम आगलेचा समाज के सहलाकार महोदय कार्यकारिणी कमेटी मेम्बर ने पधारकर इस कार्यक्रम में भाग लिया गया सभी समाज बन्धुओ के लिए सानदार भोजन प्रसाद की व्यवस्था की गई एंव सभी माताओ बहिनो को डोयटण के परिवार द्वारा गिफ्ट देकर सम्मानित किए गए धन्यवाद।

देर रात जलपाईगुड़ी पहुंचीं CM ममता ने पीड़ितों से की मुलाकात; सरकार की तरफ से मदद का भरोसा

पश्चिम बंगाल में खराब मौसम के बीच हालात का जायजा लेने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जलपाईगुड़ी पहुंचीं। सीएम ममता बनर्जी ने घायलों से मुलाकात की। खबरों के मुताबिक आंधी-तूफान और बारिश जनित घटनाओं में अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है। 70 से अधिक लोगों के घायल होने की सूचना है।

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी देर रात बागडोगरा हवाई अड्डा पहुंचीं। उन्होंने एयरपोर्ट पर मीडिया से बात करते हुए कहा कि करीब दो से तीन मिनट की आंधी-तूफान में बहुत नुकसान हो गया है। उन्होंने बताया कि अब तक पांच लोगों की मौत होने की खबर है। दो लोगों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। सीएम ने आश्वस्त किया कि सरकार पीड़ितों लोगों के साथ खड़ी रहेगी। चुनाव आचार संहिता के कारण वे कुछ बोल नहीं रही हैं। उन्होंने कहा कि वे जलपाईगुड़ी सदर जाकर खराब मौसम से प्रभावित लोगों से भी मुलाकात करेंगी।

विनाशकारी चक्रवात में जान गंवाने वाले पीड़ितों से मिलीं सीएम

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अस्पतालों में घायलों से भी मुलाकात की। जलपाईगुड़ी के बागडोगरा हवाईअड्डे पहुंचने के बाद ममता बनर्जी ने विनाशकारी चक्रवात में जान गंवाने वाले पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने जलपाईगुड़ी अस्पतालों का भी दौरा किया।

भारी बारिश और तूफानी हवाओं के कारण जलपाईगुड़ी-मैनागुड़ी प्रभावित

गौरतलब है कि उत्तर बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के कई हिस्सों में रविवार दोपहर तेज हवाएं चलीं। आंधी, बारिश और ओलावृष्टि के कारण भारी तबाही मची। जान-माल के नुकसान पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गहरा दुख जताया। ममता के जलपाईगुड़ी पहुंचने से पहले तृणमूल कांग्रेस की ओर से बताया गया है कि मुख्यमंत्री स्थिति का जायजा लेने और प्रभावित लोगों से मिलने के लिए आज रात में ही विशेष विमान से जलपाईगुड़ी के लिए रवाना होंगी। सीएम ममता ने शाम में अपने एक्स हैंडल पर लिखा यह जानकर दुख हुआ कि आज दोपहर अचानक भारी बारिश और तूफानी हवाओं के कारण जलपाईगुड़ी-मैनागुड़ी के कुछ इलाकों में बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए।

प्रशासन नियमों के मुताबिक मुआवजा देगा

आंधी-तूफान के कारण मानव जीवन की हानि, चोटें, घर की क्षति, पेड़ और बिजली के खंभे आदि उखड़ गए। जिला और ब्लाक प्रशासन, पुलिस, डीएमजी और क्यूआरटी टीमें आपदा प्रबंधन कार्यों में जुट गईं हैं और राहत कार्य चलाया जा रहा है। प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। ममता ने कहा कि जिला प्रशासन मौत के मामले में स्वजनों और घायलों को नियमानुसार और चुनाव आचार संहिता का पालन करते हुए मुआवजा प्रदान करेगा।

अभिषेक बनर्जी ने जलपाईगुड़ी यात्रा को रद्द की

सीएम ममता के मुताबिक सरकार प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा, 'मुझे विश्वास है कि जिला प्रशासन बचाव और राहत प्रदान करने के लिए सभी उपाय करना जारी रखेगा।' इधर, स्थिति को देखते हुए तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को प्रस्तावित अपनी जलपाईगुड़ी यात्रा को रद्द कर दिया है। तृणमूल की ओर से बताया गया कि वह सोमवार शाम पांच बजे से सिलीगुड़ी में अपनी पूर्व नियोजित आंतरिक पार्टी बैठकों में शामिल होंगे, जलपाईगुड़ी का दौरा रद्द कर दिया गया है।

दर्जनों घर पूरी तरह से तहस-नहस हो गए

उल्लेखनीय है कि आंधी- बारिश व ओलावृष्टि से जलपाईगुड़ी जिले में घरों, इमारतों और फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है। पेड़ों के उखडने से चार लोगों की मौत हो गई जबकि बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं। तेज आंधी में टिन से बने दर्जनों घर पूरी तरह से तहस-नहस हो गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

माता शीतला को क्यों लगाया जाता है बासी खाने का भोग? जानें कारण... तिथि, कारण, भोग

हिंदू पंचांग के अनुसार, होली के 8 दिन बाद शीतला अष्टमी का व्रत रखा जाता है। हिंदू धर्म में शीतला सप्तमी और अष्टमी तिथि का विशेष महत्व है जो हर साल चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की सप्तमी और अष्टमी तिथि को मनाई जाती है.यह त्योहार एक और दो अप्रैल को मनाया जाएगा। ऐसा कहा जाता है कि इस दिन देवी दुर्गा और पार्वती मां की अवतार देवी शीतला की पूजा की जाती है और उन्हें बासी खाने का भोग लगाया जाता है। इसलिए इसे बासोड़ा पर्व के नाम से भी जाना जाता है। शीतला सप्तमी और अष्टमी पर शीतला माता की आराधना करने से रोगों से छुटकारा मिलता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शीतला सप्तमी या अष्टमी के दिन माता को बासी खाने का भोग क्यों लगाया जाता है? आइए जानते हैं...

शीतला माता को क्यों लगाते हैं बासी खाने का भोग?

ऐसी मान्यता है कि शीतला अष्टमी सर्दियों के मौसम खत्म होने का संकेत होता है। इसे सर्दी क मौसम का आखिरी दिन माना जाता है। ऐसे में शीतला माता को इस दिन बासी खाने का भोग लगाने की परंपरा है। हालांकि भोग लगाने के बाद उस बासी खाना खाना सही नहीं माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि शीतला माता को बासी खाने का भोग लगाने से वे प्रसन्न होती हैं और व्यक्ति को निरोगी सेहत का आशीर्वाद देती हैं। गर्मी के मौसम में अधिकतर लोग बुखार, फुंसी, फोड़े, नेत्र रोग के शिकार हो जाते हैं, ऐसे में शीतला सप्तमी की पूजा करने से इन बीमारियों से बचाव होता है।

इसलिए शीतला अष्टमी पर लगाया जाता है बासी भोग

शीतला माता का ही व्रत ऐसा है जिसमें शीतल यानी

बासी खाना खाया जाता है। इस व्रत पर एक दिन पहले बना हुआ खाना खाने करने की परंपरा है, इसलिए इस व्रत को बसौड़ा या बसियौरा भी कहते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, देवलोक से देवी शीतला दाल लेकर भगवान शिव के पसीने से बने ज्वरासुर के साथ धरती पर राजा विराट के राज्य में रहने आई थीं लेकिन राजा विराट ने देवी शीतला को राज्य में रहने से मना कर दिया। देवी के गुस्से से जलने लगी त्वचा

राजा के इस व्यवहार से देवी शीतला क्रोधित हुईं और शीतला माता के क्रोध से राजा की प्रजा के लोगों की त्वचा पर लाल दाने होने लगे. लोगों की त्वचा गर्मी से जलने लगी। इसके व्याकुल राजा विराट ने माता से माफी मांगी और राजा ने देवी शीतला को कच्चा दूध और ठंडी लस्सी का भोग लगाया, इसके बाद शीतला का क्रोध शांत हुआ।

तब से माता को ठंडे पकवानों का भोग या बासी भोग लगाने की परंपरा चली आ रही है। शीतला माता की पूजा करने और इस व्रत में ठंडा भोजन करने से संक्रमण या अन्य बीमारियों से बचाव होता है। इसके अलावा ये व्रत गर्मी में होता है इसलिए भी इस दिन ठंडा भोजन करने की परंपरा है।

पूर्व सीएम केसीआर का आरोप- कांग्रेस के 100 दिनों की सरकार में 200 किसानों ने की आत्महत्या

केसीआर ने कहा, राज्य सरकार और मंत्री स्थिति पर समीक्षा बैठक आयोजित करने में नाकाम रहे हैं। इससे राज्य में अराजक स्थिति पैदा हो गई है। उन्होंने कहा, ₹राज्य में मुख्य विपक्षी दल के रूप में हमारे (बीआरएस) 39 विधायक हैं। हम राज्य में हारे नहीं हैं।

तेलंगाना की कांग्रेस सरकार को अयोग्य करार देते हुए राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने दावा किया है कि तेलंगाना में बीते 100 दिनों में कम से कम 200 किसानों ने आत्महत्या कर ली है। तेलंगाना के सूर्यपेट में केसीआर ने कहा कि किसान पानी और बिजली सुविधाओं की कमी के कारण संकट में हैं और इसी के चलते 15 लाख एकड़ फसल सूख रही है।

केसीआर ने अहम मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय दोषारोपण और ध्यान भटकाने की रणनीति का सहारा लेने के लिए कांग्रेस की राज्य सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, ₹हमें मिली जानकारी के मुताबिक, 100 दिनों में 200 किसानों ने आत्महत्या की है। कुछ की मौत बिजली के झटके से हुई, जबकि कुछ ने आत्महत्या की है। हमने कभी नहीं सोचा था कि राज्य में ऐसी स्थिति होगी कि किसान आत्महत्या करेंगे।

उन्होंने किसानों को दिए अपने संदेश में कहा, ₹आत्महत्या मत करो। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) आपकी तरफ से लड़ेगा। मुख्य विपक्षी दल होने के नाते यह हमारी जिम्मेदारी है।₹ केसीआर ने कहा कि बीआरएस एक जिम्मेदार विपक्षी दल के रूप में नई सरकार को काम करने के लिए समय देना चाहता था, लेकिन राज्य की गंभीर स्थिति ने उन्हें सरकार की विफलताओं को उजागर करने के लिए मजबूर किया।₹

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और मंत्री स्थिति पर समीक्षा बैठक आयोजित करने में नाकाम रहे हैं। इससे राज्य में अराजक स्थिति पैदा हो गई है। उन्होंने कहा, ₹राज्य में मुख्य विपक्षी दल के रूप में हमारे (बीआरएस) 39 विधायक हैं। हम राज्य में हारे नहीं हैं।₹ केसीआर ने कहा कि सत्तारूढ़ दल एक या दो विधायकों को लालच दे सकता है। उन्होंने इसे एक सस्ती राजनीतिक चाल करार दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023